सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 177 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 11 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आर्टेमिस II मिशन : चंद्रमा का चक्कर लगाकर लौटे 4 एस्ट्रोनॉट

सैन डिएगो। नासा के आर्टेमिस II मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की दहलीज को छूकर धरती पर वापस लौट आए हैं। आज 11 अप्रैल को सुबह 5:37 बजे उनका ओरियन कैप्सूल अमेरिका के सैन डिएगो के तट के पास प्रशांत महासागर में 'स्प्लैशडाउन' हुआ। ये मिशन 2 अप्रैल को लॉन्च हुआ था। 1972 के बाद यह पहली बार है, जब इंसान चंद्रमा के इतने करीब पहुंचा है। आर्टेमिस II के अंतरिक्ष यात्रियों ने 6 अप्रैल को पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूरी तक यात्रा करके किसी भी इंसानी अंतरिक्ष मिशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने चांद के अंधेरे हिस्से की फोटोग्राफी भी की थी। इस मिशन का मकसद स्पेसक्राफ्ट के 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम' की जांच करना था। नासा देखना चाहता था कि अंतरिक्ष में इंसानों के रहने के लिए यह कितना सुरक्षित है। यान अभी चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरा, लेकिन भविष्य में चंद्रमा पर इंसानों के बसने का रास्ता आसान बनाएगा।

कांग्रेस में वार्ड अध्यक्षों की सूची पर बवालः जारी होते ही पीसीसी ने किया निरस्त

रायपुर। में कांग्रेस संगठन के भीतर वार्ड अध्यक्षों की सूची को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने सभी जिलाध्यक्षों को बूथ स्तर से लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी 15 अप्रैल तक गठित करने के निर्देश दिए हैं। इसी बीच रायपुर शहर कांग्रेस ने 66 वार्डों के अध्यक्षों की सूची जारी कर दी, लेकिन कुछ ही घंटों में पीसीसी ने इसे निरस्त कर दिया। पीसीसी ने स्पष्ट कहा कि वार्ड अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष की सूची जारी करने से पहले अनुमोदन नहीं लिया गया, इसलिए इसे अवैधानिक माना गया है। इस फैसले के बाद संगठन के भीतर खींचतान की स्थिति सामने आई है। दरअसल, दो दिन पहले समीक्षा बैठक में अब तक कार्यकारिणी और वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति नहीं होने पर नाराजगी जताई गई थी। इसके बाद शुक्रवार को शहर कांग्रेस ने सूची जारी की, जिस पर तत्काल आपत्ति दर्ज करते हुए पीसीसी ने उसे खारिज कर दिया।

भिलाई में फैला पीलिया, 15 नए मरीज मिले, 2 की हालत गंभीर

भिलाई। टाउनशिप सेक्टर-7 इलाके में पीलिया फैला हुआ है। सड़क 37-38 के आसपास करीब 145 घरों में रहने वाले कई बच्चे पीलिया से संक्रमित पाए गए हैं। बच्चों के चेहरे और आंखों में पीलापन साफ दिख रहा है। जिससे इलाके में डर का माहौल बना हुआ है स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को सर्वे कर 15 नए मरीजों की पहचान की है। इनमें दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां पहले से भर्ती दो मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। अभी 4 बच्चों का इलाज चल रहा है स्वास्थ्य विभाग के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे ने बताया कि, टीम ने प्रभावित क्षेत्र के 110 घरों का सर्वे किया। इस दौरान बच्चों और बड़ों की जांच की गई। 3 घरों से पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब भेजा गया है।

दुर्ग में पांच साल की मासूम का अपहरण के बाद रेप, हत्या की नीयत से मुंह में कपड़ा बांध बोरे में बंद कर फेंका

उतई थाना क्षेत्र का मामला, घंटो तलाश के बाद बंद बोरे में मिली बच्ची, इलाज जारी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या का प्रयास का मामला सामने आया है। गांव के ही एक नशेड़ी युवक चॉकलेट लेने निकली बच्ची को बहला फुसलाकर ले गया। नशेड़ी ने बच्ची से दुष्कर्म किया और उसकी हत्या करने की नियत से उसके मुंह को पिलो कवर से बांध बोरे में बंदकर घर के पीछे खंडहरनुमा जगह पर कुएं के पास फेंक दिया। घंटो घर नहीं लौटने पर परिजनों व गांव के लोगों ने तलाश शुरू तो बच्ची बंद बोरे मिली। आनन फानन में बच्ची को अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज जारी है। हालत स्थिर है।

मिली जानकारी के अनुसार बच्ची शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे स्कूल से घर लौटी थी। इसके बाद दादी से पैसे लेकर वह पास की एक दुकान पर गई। वहां गांव का युवक धनेश्वर साहू भी मौजूद था। धनेश्वर बच्ची को चॉकलेट दिलाने के नाम पर बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और वहां उसके साथ गलत काम किया। जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। धीरे-धीरे पूरा गांव बच्ची को ढूंढने में जुट गया।

बोरे में हिलती दिखी मासूम, मुंह पर बंधा था कपड़ा

घबराए परिजनों ने उतई थाने में भी इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। दोपहर करीब 2 बजे गांव के दो युवकों की नजर कुएं के पास पड़े एक बोरे पर पड़ी। उन्होंने देखा कि बोरा थोड़ा हिल रहा है। जब उन्होंने पास जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। बोरे के अंदर वही 5 साल की बच्ची बंद थी। मासूम का मुंह तकिया कवर से बेरहमी से बांधा गया था ताकि वह चिल्ला न सके। उसे खोज निकालने वाले युवक ने बताया कि जब बच्ची को बाहर निकाला गया, तो वह पसीने से तरबतर थी और उसे सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। वह इतनी डरी हुई थी कि कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थी। तत्काल बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

आक्रोशित लोगों ने घेरा थाना

जैसे ही बच्ची के मिलने और उसके साथ हुई दरिंदगी की खबर गांव में फैली, लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आरोपी धनेश्वर साहू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। खबर मिलते ही रात करीब 9 बजे 150 से ज्यादा ग्रामीण उतई थाने पहुंच गए। ग्रामीणों की मांग थी कि आरोपी को उनके हवाले किया जाए या फिर उसे नग्न करके मोहल्ले में उसका जुलूस निकाला जाए। भीड़ इतनी उग्र हो गई कि पुलिस को हल्का बल प्रयोग कर उन्हें वहां से खदेड़ना पड़ा। ग्रामीण आरोपी को फांसी देने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को वापस भेजा।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा केस

पुलिस ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसमें पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) के तहत कार्रवाई की जा रही है। पाटन एसडीओपी अनुप लकड़ा ने कहा कि आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि यह केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जाएगा ताकि मासूम को जल्द से जल्द न्याय मिल सके और दोषी को कड़ी सजा दी जा सके। फिलहाल गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है।

बच्ची से दुष्कर्म की पुष्टि आरोपी के घर मिले सबूत

पाटन एसडीओपी अनुप लकड़ा ने बताया कि बच्ची का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने साफ किया है कि मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। आरोपी धनेश्वर साहू मजदूरी करता है और शराब पीने का आदी है। गिरफ्तारी के वक्त भी वह नशे में था। एफएसएल की टीम ने आरोपी के घर की तलाशी ली है, जहां से इस अपराध से जुड़े कई महत्वपूर्ण सबूत और वही तकिया कवर बरामद हुआ है, जिसका टुकड़ा बच्ची का मुंह बांधने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी गर्मी, 4 दिन में 5 डिग्री चढ़ेगा तापमानः 42 डिग्री पार जाएगा पारा

राजनांदगांव सबसे ज्यादा गर्म और अंबिकापुर ठंडा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर गर्मी तेज होने जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिनों के दौरान प्रदेश में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके साथ ही राज्य के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार हैं।

13 अप्रैल से बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग के कुछ जिलों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता है। इससे लोगों को तेज गर्मी और लू जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

पिछले 24 घंटों के दौरान छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। अगले 2 दिनों तक कहीं भी बारिश की संभावना नहीं है और मौसम साफ रहने के आसार हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

फाइनल में पहुंचे भारत के आयुष शेट्टी

निंगबो (चीन)। भारत के 20 साल के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसरन को हराकर फाइनल में जगह बना ली। चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए सेमीफाइनल में आयुष ने जबरदस्त वापसी करते हुए 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 75 मिनट तक चला और इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में शानदार खेल दिखाया। दोनों खिलाड़ी इससे पहले पिछले साल आर्कटिक ओपन में भिड़े थे, जहां वितिदसरन ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार आयुष ने शानदार वापसी करते हुए हिसाब बराबर कर लिया। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह उन्होंने वापसी की, उसने उनकी मानसिक मजबूती को भी साबित किया।

चुनाव से पहले बंगाल में बड़ी कार्रवाई ईडी की कोलकाता में ताबड़तोड़ रेड

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी से जुड़े ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई शिक्षक भर्ती से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले (पीएमएलए केस) में की जा रही है।

ईडी की टीम कोलकाता में दो जगहों पर तलाशी अभियान चला रही है। इनमें एक जगह पार्थ चटर्जी का घर है, जबकि दूसरी जगह प्रसन्ना कुमार रॉय का दफ्तर है, जो इस मामले में पहले से ही जेल में बंद हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यह छापेमारी शिक्षक भर्ती घोटाले में पैसों के लेन-देन और उससे जुड़े सबूत जुटाने के लिए की जा रही है।

जांच एजेंसी ने बताया कि पार्थ चटर्जी को स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) भर्ती घोटाले में जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए तीन बार समन भेजा गया था, लेकिन उन्होंने एक बार भी हाजिर नहीं हुए। इसके बावजूद वे लगातार पूछताछ से बचते रहे।

इससे पहले ईडी ने जुलाई 2022 में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार भी किया था। बाद में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से फरवरी-मार्च 2025 में सशर्त जमानत मिली थी। हालांकि, उनके खिलाफ अलग-अलग भर्ती मामलों, जैसे प्राथमिक शिक्षक, एसएससी असिस्टेंट टीचर और ग्रुप सी और डी स्टाफ की भर्ती, को लेकर ईडी के कई केस अभी भी चल रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह छापेमारी जांच का हिस्सा है और आगे और खुलासे होने की संभावना है।

रफ्तार पर लगाम : छत्तीसगढ़ में लेडार स्पीड कैमरों से अधिकारी रख रहे नजर, पांच जिलों में प्रोजेक्ट शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग ने पहली बार लेडार आधारित स्पीड कैमरों का इस्तेमाल शुरू किया है। सड़कों पर तेज गाड़ी चलाने पर सीधे चालान घर पहुंचेगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत करीब 1 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 7 आधुनिक स्पीड कैमरे लगाए गए हैं। राज्य सरकार के निर्देश पर इन्हें रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर और धमतरी जिले के प्रमुख मार्गों पर स्थापित किया गया है।

रायपुर में मरीन ड्राइव, वीआईपी रोड और मंदिर हसौद इलाके में कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा बिलासपुर बायपास, अंबिकापुर और जगदलपुर के मुख्य मार्ग और धमतरी जिले के कुरूद तहसील क्षेत्र

को भी इस परियोजना में शामिल किया गया है। इन स्थानों का चयन ट्रैफिक दबाव और हादसों की घटनाओं को देखते हुए किया गया है।

100 मीटर की दूरी से रिकॉर्ड कर सकेंगे स्पीड

वाई-फाई युक्त ये कैमरे परिवहन विभाग के वाहन सॉफ्टवेयर से जुड़े हुए हैं। ये 100 मीटर तक की दूरी पर चल रहे वाहनों की गति को सटीक रूप से माप सकते हैं। दो लेन की सड़कों पर भी ये एक साथ कई वाहनों की निगरानी कर सकते हैं और उनकी पूरी जानकारी सिस्टम में दर्ज कर लेते हैं।

कैमरे की खासियत

लेडार तकनीक पर आधारित ये कैमरे प्रकाश किरणों के जरिए वाहन की गति और दूरी का सटीक आकलन करते हैं। यदि कोई वाहन निर्धारित गति सीमा से अधिक चलता है तो कैमरा उसकी नंबर प्लेट स्कैन कर फोटो और वीडियो रिकॉर्ड करता है। इसके बाद स्वतः ई-चालान जनरेट होता है, जो वाहन मालिक को व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से भेजा जाएगा। इन कैमरों में नाइट विजन जैसी सुविधा भी है, जिससे रात में भी स्पष्ट निगरानी संभव होगी। खराब मौसम में भी ये प्रभावी तरीके से काम कर सकते हैं।

प्रेमिका और उसकी मां की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास, कबीरधाम कोर्ट का फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिला कोर्ट ने हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने दो साल पहले फरवरी 2024 में अपनी प्रेमिका वसुंधरा वैष्णव (पिंकी) उम्र 37 व उसकी मां पार्वती वैष्णव उम्र 60 की हत्या की है। कवर्धा निवासी वसुंधरा वैष्णव (पिंकी) व आरोपी अश्वनी कुमार पांडे पिता शिव शंकर पांडे उम्र 40 वर्ष, निवासी सिरगिट्टी बिलासपुर के साथ चौथी शादी करने वाली थी। इसे लेकर दोनों के बीच साल 2023 दिसंबर माह में एक समझौता भी हुआ था।

इस समझौते को लेकर 22 फरवरी को दोनों के बीच घर पर

विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी ने मां - बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने दोनों के मोबाइल फोन व स्कूटी लेकर घर को बाहर से बंद कर रायपुर फरार हो गया था।

वसुंधरा वैष्णव (पिंकी) की पूर्व में तीन शादी हो चुकी हैं। लेकिन, शादी के बाद उसका तलाक हो गया था। अब चौथी शादी करने वाली थी। इन दोनों के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क हुआ था। वारदात के दिन 22 फरवरी को पिंकी व आरोपी अश्वनी एक साथ कवर्धा के एक ब्यूटी पार्लर भी गए थे। वहां से ही पिंकी दुल्हन की वेशभूषा में सजकर घर पहुंच गई थी। इसी रात वारदात को अंजाम दिया था। शव की बदबू न फैले इसके लिए आरोपी ने आसपास फिनाइल की गोली का छिड़काव किया था। 25 फरवरी तक शव सड़ने लगा था। इस कारण बदबू फैल गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को घर से बदबू आने की जानकारी दी। तब मामला सामने आया।

बोर्ड कॉपियों में स्टूडेंट्स ने शिक्षकों से मांगे पासिंग मार्क्स, लगाए अजीब-अजीब गुहार

रायपुर। 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों की जांच के दौरान इस बार शिक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं में लिखी गईं अजीबोगरीब अपीलें और भावनात्मक संदेश पढ़ने को मिले। कई छात्रों ने पास होने के लिए ऐसी-ऐसी गुहार लगाई कि मूल्यांकन कर रहे शिक्षक भी हैरान रह गए।

जानकारी के अनुसार हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की कुल 2,66,173 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा हो चुका है। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार ऐसी अपीलों की संख्या कम रही, लेकिन जो भी सामने आईं, उन्होंने सभी का ध्यान खींचा। एक छात्रा ने अपनी कॉपी में लिखा, सर मेरी शादी

होने वाली है, अगर मैं फेल हो गई तो शादी नहीं होगी, कृपया पास कर दीजिए। वहीं एक अन्य छात्र ने परिवार की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पास करने की अपील की। किसी ने लिखा कि वह नीट की तैयारी में व्यस्त था, इसलिए बोर्ड परीक्षा की तैयारी नहीं कर सका, उसे पास कर दिया जाए।

कुछ छात्रों ने भावनात्मक अपील को और आगे बढ़ाते हुए धार्मिक सहारा भी लिया। एक छात्र ने पूरी हनुमान चालीसा लिखते हुए लिखा, अगर आप हनुमानजी के भक्त हैं तो पास कर दीजिए। वहीं एक छात्रा ने लिखा, गरीब बेटी की शादी तय है, 33 अंक देकर कन्या को आशीर्वाद देने की कृपा करें।

5.69 लाख से ज्यादा छात्रों ने दी परीक्षा

इस सत्र में 10वीं में 3 लाख 23 हजार 687 और 12वीं में 2 लाख 46 हजार 862 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हुए थे। खास बात यह रही कि दोनों ही कक्षाओं में छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रही। हाईस्कूल में 33,892 और हायर सेकेंडरी में 36 हजार से ज्यादा छात्राएं अधिक रहीं।

संपादकीय

समता की आस्था

कोई भी भेदभाव धर्म के मर्म के विरुद्ध

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है।

> “ दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है।

इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया। इसके बावजूद देशकाल परिस्थितियों में तथा तार्किकता के अभाव में यदि किसी तरह भेदभाव कतिपय कारणों से सामने आया भी हो, तो वक्त का तकाजा यही है कि उन्हें समय के अनुकूल ढाला जाए। आस्था के नजरिये से बात करें तो भी ईश्वर ने अपनी किसी भी रचना को लेकर कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। तो फिर उसके रचे इंसानों को किसी तरह के भेदभाव की अनुमति कैसे दी जा सकती थी। बहुत संभव है कि किसी समय में शुचिता को लेकर परंपरागत सोच रही हो। लेकिन आज विज्ञान ने कई प्राचीन धारणाओं व रूढ़ियों को बदलकर नई दृष्टि दी है। चंद्रमा हजारों साल से मानवीय आस्था का प्रतीक रहा है। हिंदू, मुस्लिम व अन्य धर्म किसी न किसी रूप में चंद्रमा को गहन आस्था के केंद्र के रूप में देखते रहे हैं। 19वीं सदी में कौन सोच सकता है कि तमाम धर्मों में पूज्य चांद पर कभी इंसान भी कदम रख सकता है। लेकिन आज यह हकीकत है कि भारत समेत कई विकसित देशों के मिशन चंद्रमा की सतह पर उतरे हैं। बहरहाल, ऐसे में उस धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं, जो व्यक्ति, वर्ग, संप्रदाय व लिंग के आधार पर किसी भी तरह का भेद करता हो। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ऐसे निर्णयों का धर्म पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

महात्मा ज्योतिराव फुले : भारत के दिव्य पथ-प्रदर्शक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म-जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है।

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।

महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है।

अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए। महात्मा फुले ने कहा था, जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंर्त्य मिळत नाही यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है।

उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।

महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया।

भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे।

मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जनहित और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।

पाषाण युग नहीं तो सतयुग ही सही

फायदा यह हुआ कि ईरान तो चाहे पाषाण युग में न पहुंचा हो, पर हम सतयुग में जरूर पहुंच गए। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि अब लोग चूल्हे पर बनी रोटियां खाने लगे हैं।

यूं तो ट्रंप ताऊ ने ईरान को पाषाण काल में पहुंचा देने की धमकी दी थी, पर वो तो अभी भी आधुनिक काल में ही है मतलब मिसाइल और ड्रोन काल में। ट्रंप ताऊ की धमकी आखिर गीदड़ भभकी ही निकली और ताऊ की किरकिरी का सबब बन गयी। लोग इस युद्ध से इतने डरे हुए थे कि पता नहीं क्या होगा। कहीं परमाणु बम ही न चल जाए। कहीं महंगाई का डर तो कहीं मंदी का खौफ। लेकिन इस युद्ध का एक फायदा भी हुआ जी! फायदा यह हुआ कि ईरान तो चाहे पाषाण युग में न पहुंचा हो, पर हम सतयुग में जरूर पहुंच गए। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि अब लोग चूल्हे पर बनी रोटियां खाने लगे हैं। इसलिए नहीं कि गैस नहीं मिल रही। बल्कि इसलिए है कि एक सनातनी बाबा ने यह सीख दी है कि गैस पर बनी रोटियां खाने से पेट फूलता है यानी गैस बनती है।

हमारे यहां गैस तरह-तरह से बनती है। नाले से बनती है, गटर से बनती है, तरह-तरह के खानों से बनती है। इधर बन रहे तरह- तरह के मीमों तथा रीलों से इसका पता चलता है। इन रीलों से पता चलता है कि इन दिनों सबसे महंगी चीज अगर कोई है तो गोबर का उपला है। लोग सोने के महंगे होने की दुहाई ही देते रह गए और गोबर के उपले महंगाई का सर्वोच्च सम्मान ले गए। इसका श्रेय निश्चित रूप से युद्ध को ही जाना चाहिए। इससे वह कहावत ही सच साबित होती है कि बारह बरस में तो घूरे के दिन भी फिरते हैं। इन दिनों उपलों के दिन फिर हुए हैं। ऐसे दिन सबके फिरें।

खैर, हम सरकार की इस बात से पूरी तरह सहमत हैं कि देश में गैस की कोई कमी नही। वैसे ही जैसे कोरोना में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं थी और नोटबंदी में नकदी की कोई कमी नहीं थी। और जैसे हमने सरकार के इस दावे को स्वीकार कर लिया कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है, वैसे हमने उस बाबा के ज्ञान को स्वीकार कर लिया कि गैस पर बनी रोटियों से पेट फूलता है, गैस बनती है। अर्थात् बने गैस से गैस और उपलों से आ रहा कैश। हमने यह ज्ञान वैसे ही स्वीकार कर लिया जैसे स्वस्थ रहने के लिए हमने रामदेव और श्री श्री जैसे बाबाओं का ज्ञान स्वीकार कर लिया और फिर तरह-तरह के पत्ते और छालें खाने लगे। कोई तुलसी के पत्ते खा रहा है तो कोई अमरूद के। कोई अर्जुन की छाल खा रहा है, तो कोई तरह-तरह की बेल चबा रहा है। इस तरह से यह आयुर्वेद का पुनर्जागरण काल है। अंग्रेजी दवाओं को वैसे ही गालियां पड़ रही हैं, जैसे नेहरू की वैज्ञानिक सोच को। नहीं क्या?

शांति समझौते के लिए पर्दे के पीछे तुर्किये-चीन

पुष्परंजन

खाड़ी युद्ध टालने के लिए युद्धरत देशों को समझौता वार्ता की टेबल तक पहुंचाने का श्रेय पाक लेने की कोशिश में है। लेकिन हकीकत यह है कि इतनी ज़बरदस्त नेटवर्किंग अकेले पाक लीडरशिप के बस की नहीं थी। इस शांति प्रयासों में चीन, तुर्किये, अरब देशों तथा यूरोपीय नेताओं की बड़ी भूमिका रही है।?

पाकिस्तान ने शांति समझौते का एक ऐसा प्लेटफॉर्म मुहैया कराया है, जिसमें तीनों पक्ष विजयी भाव से सीना ताने दुनिया के समक्ष खड़े हैं। बुधवार रात नेतन्याहू ने कहा, 'काम अभी अधूरा है, अभी और भी लक्ष्य पूरे करने हैं, हम उन्हें हासिल करेंगे—चाहे समझौते से, या फिर से लड़ाई शुरू करके। हमारी उंगली ट्रिगर पर है।' ईरान ने भी विजयी भाव से कहा कि हमारी भी उंगलियां ट्रिगर पर है, कभी भी दबा देंगे। दुनिया यही मान रही है कि 39 दिनों से चल रहा युद्ध खत्म हो गया। लेकिन, पिक्चर अभी बाक़ी है। शांति समझौते से अलग, एक और चौगुटा बैठक तुर्किये, सऊदी अरब, पाकिस्तान और मिस्र के विदेशमंत्री कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने कैसे वाशिंगटन और तेहरान का भरोसा जीता पाक पावर कॉरिडोर के लोग बताते हैं, 'ईरान पर पहले हमले हुए, तो विदेश मंत्री इशाक डार, जो उप-प्रधानमंत्री भी हैं, सऊदी अरब में थे, और 'ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ़इस्लामिक कोऑपरेशन' की एक बैठक में हिस्सा ले रहे थे। डार ने अराघची को फ़ोन करके अपनी एकजुटता ज़ाहिर की।' इस्लामाबाद स्थित सनोबर इंस्टिट्यूट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कमर चीमा ने बताया, 'जब पाकिस्तान ने अमेरिकी हमलों की निंदा की, तो उसी पल उसने ईरानियों का भी दिल जीत लिया। पाकिस्तान ने जैसे स्वीकार किया, कि अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद हमने भारत से युद्ध रोक लिया, ट्रंप हम पर फ़िदा हो गए।'

सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनई की हत्या के बाद कराची में 1 मार्च को प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। वहां की शिया मुस्लिम आबादी, जो पाकिस्तान की 25 करोड़ की आबादी का 15 से 20 प्रतिशत है, इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रखे हुए थी। जैसे-जैसे सांप्रदायिक तनाव बढ़ा, मुनीर ने शिया धर्मगुरुओं को रावलपिंडी बुलाया, और चेतावनी दी, कि पाकिस्तान के भीतर किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह दीगर है कि शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरु प्रिंस रहीम अल-हुसैनी ने भारत-पाकिस्तान के शासन प्रमुखों को मेल किया था, कि वो चाहें तो तेहरान में सुलह का प्रयास कर सकते हैं। प्रिंस रहीम अल-हुसैनी के अलावा तीन और शिया धर्मगुरुओं को तेहरान से विश्वास बहाली के वास्ते एक्टिवेट किया गया। इनमें शिया उलेमा काउंसिल के नेता सैयद साजिद अली नक़वी, दूसरे शिया इमाम अल्लामा नज़ीर अब्बास तकवी, और 'तहरीक-ए-नफाज़-ए-फिक्.ह-ए-जाफरिया' के प्रमुख, हुसैन मुक़द्दसी का नाम आया है।

बहरहाल, होर्मुज़ जलडमरूमध्य उन शर्तों के साथ फिर से खोलने की कोशिश है, जिनके तहत ईरान और ओमान ट्रांज़िट फीस वसूल सकेंगे। अभी बहुत कुछ तय होना बाक़ी है, जिसमें लेबनान का सवाल भी है। ठीक से देखा जाये, तो इस पूरे शांति प्रयासों में पाकिस्तान प्यादा भर है, असल गोट तुर्किये के राष्ट्रपति रिज़प तय्यिप एर्दोआन, चीनी राष्ट्रपति शी, और यूरोपीय नेता खेल रहे थे। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर को युद्धविराम के प्रयासों में एक प्रमुख वार्ताकार के रूप में देखा जा रहा है, जो विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इस्लामाबाद में शुक्रवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ औपचारिक बातचीत का नेतृत्व संभवत: उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे, जिनके साथ ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ़और दामाद जेरेड कुशनर भी होंगे। कुशनर पहले भी ईरान के साथ बातचीत में शामिल रहे थे। 28 फरवरी को शुरू युद्ध में अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान पर हमले किए, जिनमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई शीर्ष नेतृत्व वाले मारे गए. ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस युद्ध ने 3500 से ज़्यादा लोगों की जान ले ली है, दुनिया की तेल सप्लाई के लगभग पांचवें हिस्सा अवरुद्ध हो गया। इस बिन बुलाये युद्ध की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है। अंकारा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की सहायक प्रोफेसर, बेतुल डोगन-अक्कास ने कहा कि पाकिस्तान के दोनों पक्षों के साथ अच्छे संबंध होने के कारण, वह मध्यस्थ की भूमिका के लिए एक स्वाभाविक पसंद बन गया। यह हफ्तों की कड़ी कूटनीति का नतीजा है; ऐसी कूटनीति जिसके बारे में बहुत कम लोगों को यकीन था, कि पाकिस्तान कर पाएगा। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की, कि 22 से 23 मार्च के बीच, मुनीर ने सीधे तौर पर ट्रंप से बात की थी।

29 मार्च को, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में फिर से मिले। बैठक से पहले, शरीफ़ने पेज़ेश्कियन के साथ लंबी बातचीत की; पांच दिनों में यह उनकी दूसरी बातचीत थी। बातचीत के बाद, डार पेइचिंग गए, जो चीन की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाक़ात की, और दोनों पक्षों ने एक पांच-सूत्री रूपरेखा तैयार की, जिसमें युद्धविराम, शीघ्र बातचीत, नागरिकों की सुरक्षा, होर्मुज़ जलडमरूमध्य के रास्ते जहाज़ सेवाओं की बहाली, और संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका शामिल थी।'

जिन नेताओं से संपर्क किया गया, उनमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेंडरिक मर्त्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी शामिल थे। पाकिस्तान की लीडरशिप ने खाड़ी और मुस्लिम जगत के नेताओं से भी बात की, जिनमें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाहयान और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। तुर्की ने नाटो के महासचिव मार्क रुटे और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फोन देयर लेयेन से संपर्क किया गया; यह पश्चिमी सहयोगियों के साथ समन्वय को दर्शाता है।

अंकारा के सूत्र बताते हैं, 'एर्दोआन ने कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, अज़रबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव, इराकी कुर्द क्षेत्रीय सरकार के राष्ट्रपति नेचिरवान बरज़ानी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की, सूडान की संप्रभुता परिषद के प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और कज़ाकिस्तान के राष्ट्रपति कसीम-जोमार्ट टोकायेव के साथ भी बातचीत की थी।' इतनी ज़बरदस्त नेटवर्किंग अकेले पाक लीडरशिप के बस की नहीं थी। इस शांति प्रयासों में जितने विश्व नेताओं से संपर्क किये गए, उसका एक और लक्ष्य निर्धारित था, 'जो भी संवाद हो, माइनस मोदी होना चाहिए।' चीनी राष्ट्रपति शी ने भी नहीं चाहा, कि पीएम मोदी से मशविरा किया जाये। सवाल है, पलट चुकी परिस्थितियों में भारत की भूमिका क्या होनी चाहिए? एक ट्रम्प कार्ड है नेतन्याहू। वो चाहें तो पीएम मोदी का नाम भी शांति प्रयासों के वास्ते सुझा सकते हैं। लेकिन, नेतन्याहू ऐसा करेंगे क्या? या फिर भारत, ख़ामोशी से सब कुछ देखता रहे!

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के जानकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रमुख खबरें

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत बीएसपी में 160 इंटर्नशिप हेतु आवेदन

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के चरणङ्क3 के अंतर्गत युवाओं को औद्योगिक अनुभव प्रदान करने हेतु 160 इंटर्नशिप अवसरों की घोषणा की गई है। यह पहल युवा प्रतिभाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी कौशल क्षमता एवं रोजगार योग्यता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को देश के अग्रणी इस्पात उत्पादन संयंत्रों में से एक भिलाई इस्पात संयंत्र में वास्तविक औद्योगिक वातावरण में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। इंटर्नशिप के दौरान प्रतिभागियों को चिकित्सा, मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स एवं कार्यालय प्रशासन जैसे विभिन्न प्रमुख विभागों में कार्य करने का अवसर मिलेगा, जहाँ वे अनुभवी अधिकारियों के मार्गदर्शन में औद्योगिक प्रक्रियाओं एवं प्रबंधन प्रणाली की व्यावहारिक समझ विकसित कर सकेंगे। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम 9 माह की अवधि का होगा, जिसके अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को प्रति माह लगभग 9,000 का मानदेय प्रदान किया जाएगा। यह संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को उद्योग से संबंधित आवश्यक दक्षताओं से सुसज्जित कर उनके करियर विकास हेतु एक सुदृढ़ आधार प्रदान करेगा। इस योजना के लिए पात्रता मानदंड को समावेशी रखा गया है, जिसके अंतर्गत 10वीं उत्तीर्ण, डिप्लोमा धारक एवं स्नातक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इससे विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के अधिक से अधिक युवाओं को इस योजना का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

बीएसपी के सिंटर संयंत्र-3 में डीप क्लीनिंग हेतु ड्राई आइस ब्लास्टिंग तकनीक का क्रियान्वयन

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा अनुरक्षण कार्यों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सिंटर संयंत्र-3 में पहली बार 8.4 मेगावाट वेस्ट गैस फैन (डब्लूजीएफ) मोटर की डीप क्लीनिंग के लिए ड्राई आइस ब्लास्टिंग तकनीक का सफ्लतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया। यह कार्य पारंपरिक सफ्ई विधियों से हटकर एक उन्नत, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीक की ओर महत्वपूर्ण कदम है। उक्त सफाई कार्य प्लेट मिल में डब्लूजीएफमोटर के इन-हाउस रिपेयर के दौरान प्लेट मिल टीम के सक्रिय सहयोग से किया गया। उल्लेखनीय है कि डब्लूजीएफमोटर सिंटर उत्पादन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसकी सुचारु कार्यप्रणाली उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रक्रिया की विशेषता यह है कि इसमें न तो जल का उपयोग होता है और न ही किसी रासायनिक पदार्थ का, जिससे यह संवेदनशील विद्युत उपकरणों के लिए पूर्णत: सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी सिद्ध होती है।

जिला पंचायत में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला पंचायत सभा कक्ष, दुर्ग में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सभी कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत वर्षा जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि वर्षा की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के उद्देश्य से जल संग्रहण आधारित कार्यों को अधिक से अधिक स्वीकृत कर शीघ्र पूर्ण किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों द्वारा स्वप्रेरणा से सोक पिट का निर्माण कराया जाए। साथ ही मनरेगा के अंतर्गत कम लागत एवं प्रभावी परिणाम देने वाले सोक पिट एवं जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से चयनित कर समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मनरेगा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में कार्यों का चयन मांग आधारित हो तथा श्रमिकों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार के निर्देशानुसार योजना अंतर्गत कार्यरत सभी श्रमिकों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण कराते हुए उसका समयबद्ध अपलोड सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान निर्माण कार्यों की जियो-टैगिंग में तेजी लाने, लंबित प्रस्तावों को नियमानुसार प्रस्तुत कर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सामाजिक अंकेक्षण अंतर्गत लंबित निकासी बैठकों को शीघ्र आयोजित कर एटीआर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। जानकारी अनुसार जिला दुर्ग में 50, जनपद पंचायत पाटन में 16 एवं जनपद पंचायत धमधा में 55 निकासी बैठकें लंबित हैं, जिन्हें तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों में गति लाने तथा मनरेगा के माध्यम से हितग्राहियों को 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वार्डों में पहुंचे मंत्री यादव, जनता से संवाद कर समस्याओं का लिए जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव प्रतिदिन सुबह दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर आम नागरिकों से सीधे संवाद कर रहे है और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारीयों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे है। उन्होंने बीते दिनों वार्ड 01, वार्ड 02, वार्ड 04, वार्ड 37 और वार्ड 38 पहुंचकर क्षेत्र मे विकास कार्यों का जायजा लिया।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव वार्ड भ्रमण के दौरान नागरिकों ने उनके सामने सीमेंटीकरण सड़क, नाली निर्माण, भवन निर्माण एवं शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग रखी। जिस पर उन्होंने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण किए जाएं।

शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने गयानगर वार्ड क्रमांक 04 एवं राजीवनगर वार्ड क्रमांक 02 में भी वार्डवासियों के बीच पहुंचकर संवाद किये। उन्होंने क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए सड़क संधारण, भवन निर्माण एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं को सुना और इसके वार्ड में बन रहे मांगलिक भवन का निरिक्षण कर कार्य की प्रगति की जानकारी लिए और सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण करने निर्देश दिए और समयसीमा में भवन पूर्ण करने कहा ताकी जनता को सौगात प्रदान किया जा सके। करोड़ों की लागत से बन रहा यह भवन आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। शादी ब्याह और सुख दु:ख के कार्यक्रम के लिए सुविधायुक्त भवन मिलेगा।

इसके साथ ही पंचशील नगर वार्ड क्रमांक 01 में भी उन्होंने वार्डवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के समाधान और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दुर्ग विधानसभा के प्रत्येक वार्ड का समग्र विकास सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर, पार्षद लीना देवांगन, नरेंद्र बंजारे, मनीष कोठारी, गोविन्द देवांगन, दिनेश देवांगन, ममता देवांगन, अमित पटेल, नवीन साहू, मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, पार्षद रामचंद्र सेन, शिव नायक सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027: प्रथम चरण के प्रचार-प्रसार के लिए दुर्ग में व्यापक अभियान शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में व्यापक जनजागरूकता अभियान शुरू कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छत्तीसगढ़ में स्व-गणना का कार्य 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक तथा मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 1 मई से 30 मई 2026 तक संपन्न की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य की सफ्लता के लिए आमजन की जागरूकता और सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नगर निगम द्वारा विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

अभियान के तहत कचरा संग्रहण वाहनों में लगाए गए ऑडियो सिस्टम के माध्यम से जनगणना संबंधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे। इसके अलावा शासकीय कार्यालयों, संस्थानों के एलईडी डिस्प्ले एवं नोटिस बोर्ड पर जनगणना से जुड़े वीडियो, स्लोगन और अन्य जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और ट्रैफ्कि सिग्नलों पर भी सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए आम नागरिकों तक संदेश पहुंचाया जाएगा। वहीं स्थानीय केबल नेटवर्क और जिला स्तरीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर भी व्यापक स्तर पर जानकारी साझा की जाएगी। इसके साथ ही प्रिंट मीडिया, होर्डिंग्स, बैनर आदि के माध्यम से स्कूलों, बस स्टैंड, ग्राम पंचायतों सहित सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके। प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित समयसीमा को ध्यान में रखते हुए सभी गतिविधियों को त्वरित और प्रभावी ढंग से संचालित करें।

भीषण गर्मी में यातायात जवानों को राहत, दुर्ग पुलिस ने बांटे गमछा व पानी की बोतल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा यातायात में तैनात जवानों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए विशेष पहल की गई। शुक्रवार को शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ड्यूटी कर रहे यातायात पुलिस कर्मियों को धूप से बचाव हेतु सफेद गमछा एवं ठंडा पानी रखने के लिए पानी की बोतल वितरित की गई।

पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई इस राहत सामग्री का उद्देश्य तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच लगातार ड्यूटी कर रहे जवानों को गर्मी से बचाव और राहत प्रदान करना है। इस दौरान अधिकारियों ने सभी जवानों को निर्देशित किया कि वे ड्यूटी के दौरान नियमित अंतराल में पानी पीते रहें, अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की अस्वस्थता महसूस होने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। अधिकारियों ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जवानों का स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। उनकी कार्यक्षमता और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए यह पहल की गई है। यातायात पुलिस दुर्ग के अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वय से सामग्री वितरण का कार्य सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया, जिसकी सराहना की जा रही है। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि भीषण गर्मी के दौरान अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें।

राष्ट्रीय कुश्ती महासंग्राम में पहला दिन पहलवान बेटियों के नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निवास के सामने साइकिल पोलो मैदान में शुक्रवार से शुरू हुई राष्ट्रीय अंडर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में पहला दिन बेटियों के नाम रहा। सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में कुश्ती का ऐसा भव्य आयोजन छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहा हैं। इस भव्य आयोजन के शुभारंभ पर सुबह आराध्य हनुमान चालीसा व हनुमान अभिषेक के मंत्रो का उच्चारण सुप्रसिद्ध कथावाचक कान्हा महाराज के श्रीकंठ से हुआद्य

इसके उपरांत सांसद विजय बघेल के साथ भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विधिवत प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर रमापति राम त्रिपाठी भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यू.पी., संजय सिंह भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष, जय प्रकाश, ओलम्पियन नरसिंह पंचम यादव और एस पी देसवाल भी उपस्थित थे।

इसके उपरांत कुश्ती का महासंग्राम शुरू हुआ। जिसका इंतजार जिले के सभी कुश्ती प्रेमी कर रहें थे। पहला दिन बालिका वर्ग के पहलवानो के नाम रहा, जिसमें 28 राज्यों से आयी बालिकाएं इस महासंग्राम में अपने आप को पहलवानी में कुशल साबित करने पूरे दमखम के साथ उतरी। बालिकाओं ने कुश्ती में अपने दाव पेंच बखूबी दिखाए। बालिकाओं की अपने खेल के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं क्षमता को देख सांसद विजय बघेल ने सभी बालिकाओं को छत्तीसगढ़ की वीरांगना अवन्ति बाई की उपाधि दी।

यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति की ओर से निशु पाण्डेय ने बताया कि हरियाणा की टीम ने दंगल कुश्ती में बेहतरीन दांवपेंच, मजबूत पकड़ और शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए 230 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। उनके पहलवानों ने हर मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वियों को चित कर बढ़त बनाए रखी।

महाराष्ट्र की टीम भी जोरदार मुकाबले में उतरी और अपने दांव, पलटवार (काउंटर अटैक) तथा संतुलित रक्षा के दम पर 141 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं उत्तर प्रदेश के पहलवानों ने ताकत और तकनीक का अच्छा मेल दिखाते हुए 125 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम ने भी अपने अखाड़े में जुझारूपन की भावना के साथ मुकाबला किया, हालांकि उन्हें कड़े दांवपेंचों और अनुभवी पहलवानों के सामने संघर्ष करना पड़ा। टीम को कुल 22 अंक मिले और वह 14वें स्थान पर रही। छत्तीसगढ़ के पहलवानों ने 57 किलोग्राम, 65 किलोग्राम और 72 किलोग्राम भार वर्ग में अपने दांव आजमाए। जहां उन्होंने पकड़, दांव, बचाव और पलटवार की तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस तीन दिवसीय आयोजन में दूसरे दिन 11 अप्रैल को बालक वर्ग अंडर 20 की कुश्ती होंगी।

उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत प्रमोद सिंह, जी सुरेश बाबे, गोपाल वर्मा, डॉ रमेश श्रीवास्तव, भागचंद जैन, विश्वरतन सिन्हा, सुधीर बंसल, शारदा गुप्ता, विनोद उपाध्याय, गोपाल बिष्ट, सुभाष साव, रजनीकांत अग्रवाल, भूषण अग्रवाल,श्रीकांत ताम्रकार,निशु पाण्डेय जैसे गणमान्य लोगों ने कियाद्य सांसद विजय बघेल समेत आयोजन समिति के भूपेंद्र यादव, देवेंद्र यादव, देवेंद्र (दिलबर) ,जगन्नाथ पहलवान, प्रशांत राय, लक्ष्मण पहलवान और बिरेन्दर यादव पहलवान जैसे दिग्गज पहलवानो ने कुश्ती प्रेमियों भिलाई में प्रथम बार हो रहे राष्ट्रीय कुश्ती महासंग्राम का साक्षी बनने नगरवासियों को आमंत्रित किया हैं।

भाजपा ओबीसी मोर्चा की प्रथम परिचयात्मक बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) मोर्चा की घोषणा के बाद पहली परिचयात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय, दुर्ग में संपन्न हुई। बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा ने की।

बैठक में नव-नियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का परिचय कराया गया और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू, उपाध्यक्ष मनोज सोनी, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, आईटी सेल संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रकाश साहू, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि ओबीसी मोर्चा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है और इसकी सक्रियता से पार्टी की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ गांव-गांव एवं वार्ड-वार्ड तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाएं। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया।

वहीं, मोर्चा के जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव पिछड़ा वर्ग के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक को जिला महामंत्री दिलीप साहू ने संगठनात्मक विषयों पर और मीडिया प्रभारी राजा महोबिया ने तकनीकी एवं सोशल मीडिया के उपयोग पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष ओ.पी. रजक ने किया। बैठक में विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें दिनेश देशमुख, सुखदेव देवांगन, कमलेश हिरवानी, धर्मेंद्र सोनकर, मलखान सिंह लोधी, भारतेंदु गौतम, संदीप कहार, गौरव मढारिया, रमेश वर्मा, चेतन (चिंटू) सिन्हा सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

ललित चंद्राकर की पूज्य माताजी स्व. पूर्णिमा चंद्राकर के वार्षिक श्राद्ध पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर की पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती पूर्णिमा चंद्राकर के वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर उनके निवास में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक सम्माननीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय पूर्णिमा चंद्राकर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय पूर्णिमा चंद्राकर जी के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पूरे वातावरण में श्रद्धा और भावुकता का माहौल रहा। परिवार की ओर से सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस कठिन समय में समाज के विभिन्न वर्गों से मिला स्नेह, अपनापन और संवेदना उनके लिए संबल का कार्य कर रही है।

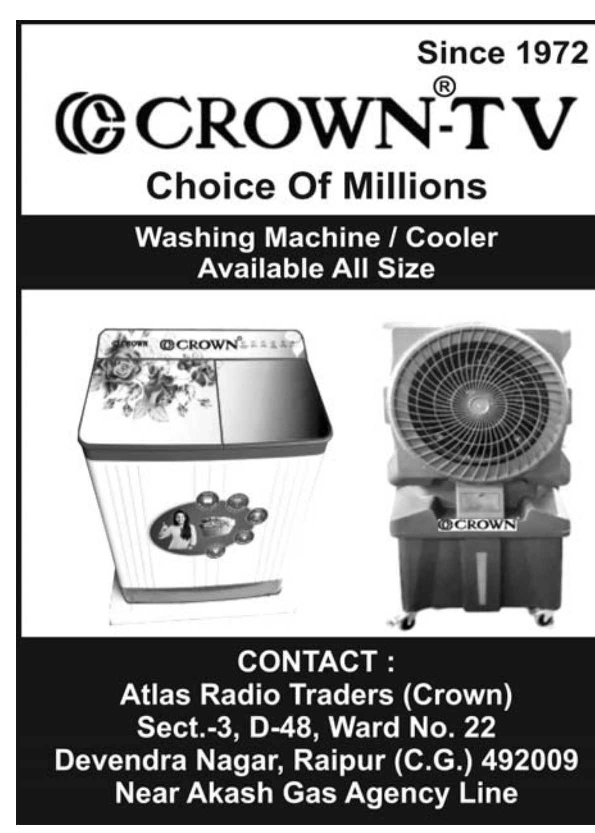

प्रमुख खबरें

अब खुलकर ले पाएंगे बारिश का मजा, मिला पीएम आवास

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से न केवल लोगों को सुरक्षित आवास मिल रहा है, बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान भी बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन की एक मिसाल है ग्राम पंचायत गिरारी के निवासी मदन। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गिरारी गांव में रहने वाले मदन पूर्व में अपने परिवार सहित कच्चे मकान में निवास करते थे। बरसात के मौसम में उनके घर की छत से पानी टपकता था, जिससे परिवार को गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। हर वर्ष वर्षा ऋतु उनके लिए चिंता और असुरक्षा का कारण बन जाती थी। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मदन को पक्का आवास स्वीकृत हुआ। शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता तथा स्वयं के श्रम के समन्वय से उन्होंने अपने सपनों के घर का निर्माण पूर्ण किया। आज उनका परिवार एक मजबूत, सुरक्षित और व्यवस्थित पक्के घर में निवास कर रहा है। मदन बताते हैं कि पहले बरसात के समय घर में पानी भर जाता था और परिवार को भय बना रहता था, लेकिन अब इस समस्या से पूरी तरह राहत मिल गई है। उनका कहना है कि इस योजना ने उनके जीवन में नया आत्मविश्वास और सुख-शांति का संचार किया है।

जनगणना 2027 : प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 13 अप्रैल से

सूरजपुर। जनगणना 2027 के प्रथम चरण - मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) - की तैयारी के अंतर्गत जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिले में 13 अप्रैल से प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ किया जायेगा। जारी दिशानिर्देशों के अनुसार यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना है। दो फील्ड ट्रेनर्स की जोड़ी द्वारा 40 से 45 प्रतिभागियों के बैचों में 03 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण से पूर्व सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का पंजीयन सीएमएमएस पोर्टल (census.gov.in) पर किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान एचएलओ निर्देश पुस्तिकाएँ, पीपीटी प्रस्तुतियाँ एवं लघु शिक्षण वीडियो हिन्दी भाषा में उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रशिक्षण की निगरानी सीएमएमएस डैशबोर्ड के माध्यम से की जाएगी।

शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्यों का समावेश जरूरी

पोषण ही नहीं बल्कि संस्कार की भी पाठशाला बनें आंगनवाड़ी केंद्र : राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें 'संस्कार निर्माण की पाठशाला' के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के सर्वांगीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है, जिसमें दिए गए संस्कार जीवनभर उनकी सोच और व्यवहार को दिशा देते हैं।

श्रीमती राजवाड़े अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में राज्य शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के ईसीसीई के राज्य स्तरीय रिसोर्स पर्सन एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रही थीं। बैठक में प्रदेश के 52,518 आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को संस्कारपरक शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने पर विचार किया गया।

उन्होंने कहा कि बच्चे का पहला विद्यालय उसका घर और आंगनबाड़ी होता है, इसलिए यहां दी जाने वाली शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। संस्कारपरक शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही बड़ों का सम्मान, सत्य बोलना, स्वच्छता, अनुशासन, प्रकृति प्रेम तथा 'धन्यवाद' और 'क्षमा' जैसे व्यवहारिक गुणों का विकास करना है।

मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में इस प्रकार की शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कई व्यवहारिक सुझाव दिए।

उन्होंने दिन की शुरुआत प्रार्थना, योग और प्राणायाम से करने, पंचतंत्र एवं लोककथाओं के माध्यम से नैतिक शिक्षा देने, त्योहारों और महापुरुषों की जयंती के जरिए सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाने, तथा दैनिक व्यवहार में 'नमस्ते', स्वच्छता और अनुशासन को शामिल करने पर बल दिया। साथ ही बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम विकसित करने के लिए पौधारोपण एवं स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कार्यों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की बात कही।

उन्होंने अभिभावकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महीने में 'संस्कार सभा' आयोजित कर माता-पिता को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए, ताकि घर और आंगनबाड़ी दोनों स्थानों पर बच्चों को समान वातावरण मिल सके।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इस पहल से बच्चों में आत्मविश्वास, भाषा कौशल और सामाजिक व्यवहार का विकास होगा, साथ ही कुपोषण के साथ 'चरित्र पोषण' भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि संस्कारित बच्चे आगे चलकर अनुशासित विद्यार्थी और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।

जनमन पत्रिका का निःशुल्क वितरण, लोगों तक पहुंची सरकार की योजनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं समसामयिक विषयों पर आधारित जनसंपर्क संचालनालय द्वारा प्रकाशित मासिक जनमन पत्रिका का खरसिया क्षेत्र में नि:शुल्क वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित नागरिकों ने पत्रिका की सराहना करते हुए इसे जन-जागरूकता का प्रभावी माध्यम बताया। पाठकों ने कहा कि जनमन पत्रिका न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि इसमें शासन की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं समसामयिक विषयों की जानकारी सरल एवं आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई है। इससे आमजन को योजनाओं की जानकारी आसानी से मिलती है और वे पात्रतानुसार लाभ उठा सकते हैं।

पत्रिका विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है। इसमें समसामयिक जानकारी का अच्छा संकलन होने से अध्ययन सामग्री के रूप में इसका महत्व बढ़ जाता है। इस अवसर पर महेश साहू ने कहा कि जनमन पत्रिका शासन की योजनाओं एवं प्रेरणादायक सफलताओं को सरल और प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अमित साहू, कुंती साहू, शंकर लाल साहू, छवि शंकर साहू, कैलाश शर्मा, डिग्री लाल सिदार, सूरज पटेल एवं नितेश बरेठ सहित अन्य नागरिकों ने भी जनपद पत्रिका की सराहना की। जनसंपर्क संचालनालय द्वारा प्रकाशित जनमन पत्रिका एवं योजनाओं पर आधारित ब्रोशर जिला कलेक्टोरेट स्थित जिला जनसंपर्क कार्यालय में नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

छत्तीसगढ़ की 9 दुर्लभ प्राचीन पांडुलिपियां ज्ञान भारतम् एप पर पंजीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। जिले में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटल पंजीयन की दिशा में लगातार सार्थक कदम उठाए जा रहें है, जिसके तहत भैयाथान विकासखंड के ग्राम अघिना भंडार निवासी मनोज कुमार सिंह द्वारा 8 प्राचीन पांडुलिपियाँ वहीं शिवप्रसादनगर गढ़ी के पार्थसारथी द्वारा 01 दुर्लभ प्राचीन धार्मिक अनुष्ठान ग्रंथ को ज्ञान भारतम् एप में पंजीकृत किया गया है।

उक्त विषय पर आज कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा दोनों पांडुलिपि धारकों सीधा संवाद भी किया गया, इसके साथ ही उनके साथ विस्तारपूर्वक चर्चा कर पांडुलिपियों की विषयवस्तु, महत्व एवं उनसे जुड़ी जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर डॉ. मोहन साहू, जिला परियोजना अधिकारी; रविंद्र सिंह देव, सहायक संचालक; मनोज कुमार सिंह एवं श्री पार्थसारथी उपस्थित रहे।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के अंतर्गत संचालित इस अभियान में कोई भी नागरिक भाग ले सकता है। पांडुलिपि पंजीयन के लिए ज्ञान भारतम् एप को गुगल प्ले स्टोर अथवा एप्पल एप्प स्टोर से नि:शुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त census.gov.in वेबसाइट पर जाकर भी ऑनलाइन सर्वे में भाग लिया जा सकता है। वे नागरिक विशेष रूप से आमंत्रित हैं जिनके पास अभी तक सूचीबद्ध अथवा पंजीकृत नहीं हुई पांडुलिपियाँ हैं, जिन्हें अपने समुदाय में पांडुलिपियों की जानकारी है, अथवा जो किसी ऐसी संस्था, संगठन या परिवार का प्रतिनिधित्व करते हैं जो पांडुलिपियों का संरक्षण कर रहा है। पांडुलिपि संरक्षण हेतु जिले में व्यापक अभियान जारी हैं। कलेक्टर के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिले में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं पंजीयन हेतु जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे है।

स्व-सहायता समूह की 80 महिलाएं 'दिशा-दर्शन' भ्रमण के लिए झारखण्ड राज्य के गुमला रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के मिशन सशक्तिकरण केंद्र के द्वारा दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत आज जिले की स्व-सहायता समूहों की 80 महिलाओं और 5 विभागीय अधिकारियों का दल झारखंड राज्य के गुमला जिले के विकास भारतीय संस्थान विशुनपुर के लिए रवाना हुआ है। कलेक्ट्रेट परिसर से नगर निगम सभापति श्री हरिमन्दर सिंह टिन्नी ने भ्रमण बस को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के एक्सपोजर विजिट से महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है साथ ही अपने आजिविका गतिविधियों को बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों में हो रहे सफल कार्यों को देखकर दीदियां अपने गांव और ब्लॉक में भी नए नवाचार कर सकेंगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) श्री जे.आर. प्रधान ने बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पारंपरिक कार्यों से आगे बढ़ाकर व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ना है। गुमला प्रवास के दौरान समूह की दीदियां विभिन्न केंद्रों का अवलोकन कर निम्नलिखित उत्पादों के निर्माण की बारीकियां सीखेंगी, खाद्य प्रसंस्करण में अचार, पापड़, मसाला और दाल बड़ी का उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण साथ ही नवाचार में मुखवास (माउथ फ्रेशनर), मोदक और विभिन्न प्रकार के लड्डू बनाने की तकनीकी।

श्रमिक सम्मेलन में सौगातों की बारिश, खिले चेहरे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जगदलपुर के स्थानीय वीर सावरकर भवन में शुक्रवार को निर्माण श्रमिकों के सशक्तिकरण और उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के मार्गदर्शन में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में विकास की रीढ़ कहे जाने वाले श्रमिकों का न केवल सम्मान किया गया, बल्कि उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस सम्मेलन में समूचे जिले के सुदूर अंचलों से आए बड़ी संख्या में श्रमिकों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर उनकी उत्साहजनक उपस्थिति से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद बस्तर महेश कश्यप और नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में श्रमिकों को राष्ट्र का असली निर्माता बताते हुए कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रमिक केवल मजदूरी करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए विश्वास दिलाया कि सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है। श्री कश्यप ने शासन द्वारा श्रमिकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न 31 योजनाओं की जानकारी और अन्य सुरक्षा योजनाओं के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि हर श्रमिक का पंजीकरण होना अनिवार्य है ताकि शासन की मदद उन तक बिना किसी बाधा के पहुँच सके। इस अवसर पर नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

मंच से जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों द्वारा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत सहायता राशि के चेक वितरित किए गए, जिसे पाकर श्रमिकों के चेहरों पर संतोष और खुशी के भाव स्पष्ट नजर आए। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता मौके पर ही समाधान की रही।

बिहान योजना : खीरा की खेती ने बदले सुभद्रा के हालात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुभद्रा पहले गरीबी से जूझ रही थीं, लेकिन स्वयं सहायता समूह से जुड़कर एवं ऋण लेकर उन्होंने खीरा की खेती शुरू की। खीरा की खेती से प्राप्त आय से आज वह 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

बिलासपुर जिला के कोटा के ग्राम करका की सुभद्रा ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन, समूह की शक्ति और मेहनत साथ हो, तो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता का सपना आसानी से साकार किया जा सकता है। सुभद्रा समूह से जुड़कर खीरा की खेती कर आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ अब लखपति दीदी बन चुकी है। सुभद्रा मुख्यमन्त्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकारी योजना ने उनका जीवन बदल दिया है।

आदिवासी बहुल गांव करका की सुभद्रा आर्मी ने आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत मां सरस्वती समूह से जुड़कर खीरा की खेती को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया। शुरुआत में समूह को 15 हजार रुपये रिवाल्विंग फण्ड, 60 हजार रुपये सी आई एफ तथा 3 लाख रुपये बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग ने महिलाओं को खेती के लिए जरूरी संसाधन जुटाने में बड़ी मदद दी। समूह की महिलाओं ने मेहनत, लगन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए खीरा की खेती शुरू की। उनकी मेहनत का परिणाम यह है कि आज वे 2 एकड़ में खेती कर लगभग 10 क्विंटल खीरा की बिक्री हर दूसरे दिन कर रही हैं। इससे उन्हें लगभग 7 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

इस अतिरिक्त आय से समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं द्य बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दे रही हैं और भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। सुभद्रा बताती हैं कि इस सफलता के पीछे समूह की बीमा सखी हबीबुन निशा का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन रहा, जिन्होंने समय-समय पर महिलाओं को बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता प्रदान कर ऋण सबंधी प्रक्रिया को पूरा करने में सहायता की साथ ही खेती की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुभद्रा आर्मी की मेहनत लगन और सरकारी योजनाओं की मदद से अब वह लखपति दीदी बनने का गौरव हासिल कर चुकी है।

हरित खाद से लौट सकती है मिट्टी की खोई हुई अर्वरा शक्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। हरी खाद - मिट्टी की खोई उर्वरता बढ़ाने का प्राकृतिक समाधान मिट्टी की घटती उर्वरता और रासायनिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता को लेकर कृषि विभाग गंभीर दिखाई दे रहा है। जिसके बेहतर व समाधान के रूप में विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के किसानों से, हरी खाद अपनाने का आह्वान किया है।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बढ़ती जनसंख्या और घटते जोत के कारण किसान एक ही भूमि पर सघन खेती करने को विवश हैं। इससे मिट्टी में जैविक कार्बन एवं पोषक तत्वों की तेजी से गिरावट आ रही है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग और पशुधन में कमी के चलते गोबर खाद की उपलब्धता भी घटती जा रही है। ऐसी विषम परिस्थिति में मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने का सबसे सरल, सस्ता और टिकाऊ उपाय हरी खाद ही है। कृषि विभाग ने किसानों को हरी खाद अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि यह न केवल मिट्टी को पुनर्जीवित करने का सबसे सस्ता उपाय है, बल्कि टिकाऊ खेती की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है।

हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण होता है, फॉस्फोरस की घुलनशीलता बढ़ती है और जिंक, आयरन, कॉपर, मैग्नीज जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व भी सुलभ हो जाते हैं। मिट्टी की भौतिक संरचना सुधरती है, वह नरम और भुरभुरी बनती है तथा जल धारण क्षमता बढ़ने से सूखे में भी फसल को राहत मिलती है। इसके साथ ही खरपतवारों का प्राकृतिक नियंत्रण होता है, लाभकारी मृदा जीवाणुओं की संख्या बढ़ती है और आगामी फसल में कीट व रोग का प्रकोप घटता है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि रासायनिक खाद की जरूरत कम होने से किसान की उर्वरक लागत में उल्लेखनीय कमी आती है और आय में वृद्धि होती है।

क्या है हरी खाद?

हरी खाद (ग्रीन मेन्युर) उन फसलों को कहते हैं जिन्हें विशेष रूप से उगाकर हरी अवस्था में ही खेत में जुताई करके मिट्टी में मिला दिया जाता है। ये मुख्यत: दलहनी फसलें होती हैं जिनकी जड़ों में पाया जाने वाला राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करता है - वही काम जो किसान अब तक महंगे यूरिया से कराता आया है। हरी खाद की प्रमुख फसलों में ढैंचा, सन, मूंग, उड़द, लोबिया, चरोटा, ग्वारफली एवं बरसीम शामिल हैं।

जिला सूरजपुर के सहायक मृदा परीक्षण अधिकारी ने किसानों को हरी खाद के संबंध मे जानकारी देते हुए बताया कि ढैंचा सर्वाधिक प्रभावी हरी खाद फसल है जो प्रति एकड़ 55 से 60 किलोग्राम नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करती है, जो लगभग 120 से 130 किलोग्राम यूरिया यानी करीब तीन बोरी के बराबर है। सन से 45 से 50 किलोग्राम, बरसीम से 48 से 50 किलोग्राम तथा लोबिया एवं ग्वारफली से 22 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ प्राप्त होती है।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी है कि खरीफ सीजन में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने पर मई माह में छिड़काव विधि से बुवाई करें। असिंचित क्षेत्रों में वर्षा से पूर्व जून माह में बुवाई करें और जब फसल 40 से 50 दिन की हो जाए, तब उसे हरी अवस्था में ही जुताई करके मिट्टी में मिला दें।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे इस खरीफ सीजन से ही हरी खाद को अपनी खेती का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती लागत और घटती मृदा उर्वरता के इस दौर में हरी खाद न केवल किसान की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उपजाऊ भूमि भी सुरक्षित रखेगी। अधिक जानकारी के लिए किसान जिला कृषि कार्यालय एवं मृदा परीक्षण कार्यालय सूरजपुर से संपर्क कर सकते हैं।

आरक्षण विधेयक महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेण्डी ने दी अपनी प्रतिक्रिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अप्रैल को लोकसभा के पटल में महिला आरक्षण बिल लेकर आ रहे हैं जो महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में अहम कदम है और इससे महिलाओं के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।

सुश्री उसेण्डी ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री उसेण्डी ने कहा कि सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वन्दन अधिनियम पारित किया गया। 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाने की योजना इस बिल के माध्यम से लागू की जाएगी।

इस बिल के पारित होते ही महिलाओं को जनप्रतिनिधि के तौर पर 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि प्रदेश में 2003 में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी और तब से लेकर आज तक प्रदेश में भाजपा सरकार ने महिला सशक्तीकरण की मिसाल प्रस्तुत की है। भाजपा की सरकार ने सर्वप्रथम महिलाओं को राशन कार्ड के माध्यम से घर की मुखिया के रूप में महत्वपूर्ण स्थान दिया। छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव में 50 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है। प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार महतारी वन्दन योजना के जरिए मोदी की गारंटी के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए देकर उनको आर्थिक रूप से संबल प्रदान कर रही है। प्रदेश में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दे रही है। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना अहम कदम है। आने वाला समय देश की मातृशक्ति के जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा।

सलमान खान के साथ दी सुपरहिट अचानक छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री, जानें आयशा टाकिया की कहानी

'टार्जनः द वंडर कार' और 'वॉन्टेड' जैसी फिल्मों में एक्टिंग और ग्लैमर से जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस आयशा टाकिया आज अपना 40वां बर्थडे मना रही हैं। आइए जानते हैं एक्ट्रेस की जिंदगी से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें।

आयशा टाकिया ने 'टार्जनः द वंडर कार' और 'वॉन्टेड' जैसी फिल्मों में काम कर खूब पॉपुलैरिटी हासिल की। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इसके बाद फिल्मों से दूरी बना ली। और हाल ही में एक्ट्रेस को जबरदस्त ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा था। आइए उनके 40वें जन्मदिन के दिन जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें।

13 साल की उम्र में शुरू की एक्टिंग

आयशा टाकिया ने केवल 13 साल की उम्र से एक्टिंग लाइन में कदम रख दिया था। उन्होंने इस बीच कई टीवी एड भी किए। शाहिद कपूर के साथ बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कॉम्पलेन के एड की वजह से उन्हें काफी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 19 साल की उम्र में मॉडलिंग में कदम रखा, और कुछ समय तक मॉडलिंग की। इसके बाद उन्होंने फऊाल्गुनी पाठक के साथ 'मेरी चुनर उड़ उड़ जाए' गाने में एक्ट किया। यह गाना काफी पॉपुलर हुआ और आयशा को इसके लिए काफी तारीफें मिली। इसके अलावा भी एक्ट्रेस कई गानों, जैसे-'शेक इट डैडी', 'नहीं-नहीं अभी नहीं' में नजर आईं।

इन सब के बाद आयशा को बॉलीवुड में पहला ब्रेकथ्रू मिला 2004 में आई अब्बास-मस्तान की सुपरनैचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टार्जनः द वंडर कार' से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, लेकिन एक्टिंग और ग्लैमर के चलते आयशा को उस साल बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड और आईफा अवॉर्ड मिला।

सलमान खान के साथ दी सुपरहिट

इसके 5 साल बाद 2009 में आई सलमान खान फिल्म 'वॉन्टेड' में वे लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आईं। फिल्म बड़े पर्दे पर सुपरहिट साबित हुई, और आयशा को खूब पहचान मिली। इन दो फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस 'दिल मांगे मोर', 'सोचा ना था', 'शादी नंबर 1' और 'डोर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। लेकिन इसके 2 साल बाद एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली।

प्यार के लिए बदला धर्म, फिर छोड़ी फिल्में

साल 2009 में आयशा ने फरहान आजमी से शादी की। फरहान राजनेता अबू आजमी के बेटे हैं। बता दें कि आयशा हिंदू थीं, लेकिन उन्होंने शादी के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया। इसके कुछ समय बाद उन्होंने फिल्म लाइन छोड़ दी। कपल का एक बेटा भी है, जिसका नाम मिकाइल है।

प्लास्टिक सर्जरी के चलते हुईं ट्रोल

आयशा अब सोशल मीडिया पर भी काफी कम एक्टिव रहती हैं। कुछ समय उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें उनमें काफी बदलाव नजर आए थे। बताया जाता है कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। लेकिन जब तस्वीरों सामने आईं, तो वे पहले से काफी अलग नजर आईं। पहले के मुकाबले उनके चेहरे में काफी बदलाव नजर आए, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया। उनके होंठ और गालों में ज्यादा बदलाव देखकर लोगों ने कहा कि उनकी प्लास्टिक सर्जरी फेल हो गई। उन्हें इतना ट्रोल किया गया कि उन्होंने सोशल मीडिया से भी अब दूरी बना ली है। आयशा अब अपनी मैरिड लाइफइंजॉए करती हैं, और पब्लिक में काफी कम नजर आती हैं।

छोटे उस्तादों के साथ थिरकीं नीरू बाजवा जवाक के सेट से शेयर की मस्ती भरी झलक

पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही फिल्म जवाक में नजर आएंगी। नीरू ने सॉन्ग जवाक की शूटिंग का मजेदार बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। यह वीडियो इसलिए भी खास और मजेदार लग रहा है क्योंकि इसमें नीरू बच्चों के साथ मस्ती कर रही हैं और उनकी एनर्जी को मैच करते हुए डांस कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, संभलकर छोटे-छोटे बच्चों में भी बहुत ज्यादा टैलेंट होता है। वाहेगुरु हमेशा आपको खुश और तरक्की में रखे। हमारी फिल्म जवाक जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शूटिंग के दौरान बच्चों के साथ उनका यह मजेदार वीडियो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। सॉन्ग जवाक काफी मजेदार है। इसमें नीरू बच्चों के साथ डांस करती दिख रही हैं। गाने को वरी राय ने लिखा है, जबकि संभी ने इसका संगीत तैयार किया है। गाना सभी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म 'जवाक' का निर्देशन जतिंद्र महुअर जबकि निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में नीरू बाजवा के साथ गुरी घुमन, निर्मल ऋषि, बी.एन. शर्मा, राणा रणबीर और रविंदर मांड मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को लेकर मुख्य जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

नीरू बाजवा पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है और दर्शकों का खूब प्यार बटोरा है। अब उनकी नई फिल्म जवाक को लेकर काफी उत्सुकता है। यह फिल्म पंजाबी भाषा में है और इसमें नीरू की मजबूत अभिनय शैली एक बार फिर देखने को मिलेगी।

अभिनेत्री हिंदी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में अजय देवगन मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अभिनेत्री नीरू ने डिंपल नाम का एक महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, रवि किशन और दीपक डोबरियाल भी हैं। यह फिल्म 2012 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।

कामकाजी महिलाओं के लिए समय की बचत से जुड़े ये 5 टिप्स हो सकते हैं लाभदायक

आजकल महिलाएं हर क्षेत्र में काम कर रही हैं, फिर चाहे वह ऑफिस हो या घर हो। कामकाजी महिलाओं के लिए समय का प्रबंधन करना बहुत जरूरी है। सही समय प्रबंधन से महिलाएं अपने कामों को आसानी से पूरा कर सकती हैं और तनावमुक्त रह सकती हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार सुझाव जानेंगे, जो कामकाजी महिलाओं के लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं।

प्राथमिकता तय करें

सबसे पहले आपको यह तय करना होगा कि कौन-से काम सबसे ज्यादा अहम हैं और उन्हें पहले करना चाहिए। इसके लिए आप एक सूची बना सकती हैं, जिसमें सबसे जरूरी काम ऊपर हों और कम जरूरी नीचे। इससे आपको यह पता चलेगा कि किस काम पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है और कौन-से काम बाद में किए जा सकते हैं। इससे आपका समय सही तरीके से बंटेगा और आप तनावमुक्त रहेंगी।

अलार्म का उपयोग करें

अपने मोबाइल या घड़ी पर अलार्म सेट करें ताकि आप समय पर हर काम कर सकें। इससे आप किसी भी काम में देरी नहीं होंगी और सब कुछ समय पर पूरा होगा। अलार्म का उपयोग करने से आप अपने दिनचर्या को बेहतर तरीके से संभाल सकेंगी और किसी भी काम को भूलने से बच सकेंगी। यह आदत आपके समय प्रबंधन को सुधारने में बहुत मददगार साबित हो सकती है।

छोटे-छोटे ब्रेक लें

काम करते समय छोटे-छोटे ब्रेक लेना बहुत जरूरी है ताकि आप थकान महसूस न करें। 50 मिनट काम करने के बाद 10 मिनट का ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ी टहलें या कुछ हल्का खाएं, जिससे आपकी ऊर्जा बनी रहेगी और आप फिर से ताजगी से काम कर सकेंगी। ब्रेक लेने से आपका ध्यान भी बेहतर रहेगा और आप ज्यादा उत्पादक बन सकेंगी। यह आदत आपको थकान से बचाएगी और आपके काम की गुणवत्ता को भी बढ़ाएगी।

एक समय में एक काम करें

एक साथ कई काम करने से अक्सर कोई एक काम ठीक से नहीं होता। इसलिए जितना संभव हो उतना एक समय में एक ही काम करें। इससे आपका ध्यान भटकेगा नहीं और आपका काम जल्दी पूरा होगा। एक समय में एक काम करने पर आप हर काम को बेहतर तरीके से कर पाएंगी और आपका समय भी बच सकेगा। इससे आपकी उत्पादकता बढ़ेगी और आप कम तनाव में अधिक काम कर सकेंगी।

योजना बनाकर चलें

रोजाना सुबह उठते ही या रात को सोने से पहले अगले दिन की योजना बना लें कि आपको कौन-कौन से काम करने हैं और किस क्रम में करने हैं। इससे आपका दिन व्यवस्थित रहेगा और आपको किसी भी काम में परेशानी नहीं होगी। इन सरल लेकिन असरदार सुझावों को अपनाकर आप अपने समय प्रबंधन को बेहतर बना सकती हैं और अपने जीवन को संतुलित रख सकती हैं।

रश्मिका मंदाना को जन्मदिन पर पिता ने दिया उपहार

5 अप्रैल को साउथ और बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपना 30वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्हें पिता की तरफ से भी एक कीमती उपहार मिला। इसकी कीमत करोड़ों में है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मार्च महीने में ही शादी के बंधन में बंधे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना 30वां जन्मदिन भी मनाया है। शादी के बाद यह जन्मदिन उनके लिए खास है क्योंकि विजय पति के तौर पर उनके साथ हैं। वहीं रश्मिका के पिता ने भी एक कीमती उपहार जन्मदिन पर दिया है। यह उपहार इस वक्त चर्चा का विषय बन चुका है। जानिए, रश्मिका को पिता से उपहार में क्या मिला है।

पिता ने उपहार में दिया करोड़ों का बंगला

रश्मिका मंदाना के जन्मदिन के जश्न को उनके पिता ने खास बना दिया। एक्ट्रेस के होमटाउन विराजपेट के पास एक खास पारिवारिक मिलन समारोह में उन्होंने घोषणा की कि वह अपनी बेटी को एक खूबसूरत बंगला तोहफे में दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार विराजपेट के पास स्थित इस प्रॉपर्टी का नाम 'सेरेनिटी' रखा गया है।

गिफ्ट पाकर रश्मिका हुई इमोशनल

रश्मिका के पिता की घोषणा से परिवार का हर सदस्य खुश था। वहीं पिता से इतना प्यारा और कीमती उपहार पाकर रश्मिका मंदाना काफी इमोशनल हो गईं। सूत्रों के अनुसार रश्मिका की आंखें नम थीं। बाद में वह इस उपहार को पाकर खुश भी हुईं। अब वह अपने होमटाउन में रह सकेंगी और यहां पर नई यादें बना सकेंगी।

रश्मिका मंदाना इन फिल्मों में आएंगी नजर

रश्मिका मंदाना अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ एक फिल्म 'रणबाली' कर रही हैं। वहीं वह शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ 'कॉकटेल 2' में भी नजर आएंगी। हाल ही में इस फिल्म के पोस्टर रिलीज हुए, जिसमें रश्मिका का लुक भी रिवील हुआ।

'राका' के लिए दीपिका पादुकोण-अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने ली कितनी फीस, जानकर उड़ जाएंगे होश

निर्देशक एटली की फिल्म 'राका' की शूटिंग अभी चल रही है। इसमें अल्लू अर्जुन, दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना और कई दूसरे बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। जानिए इन स्टार्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस ली है।

8 अप्रैल को अल्लू अर्जुन और एटली की फिल्म का नाम 'राका' घोषित किया गया। उसी दिन अल्लू अर्जुन का पहला लुक भी जारी किया गया। इसमें वह आधे इंसान और आधे राक्षस के रूप में दिखे। यह फिल्म साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर है। इसे फिल्म को बहुत बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। 2027 की शुरुआत में रिलीज होगी। जानिए इस फिल्म के लिए अल्लू, दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना ने कितनी फीस ली है।

'राका' में अल्लू अर्जुन की फीस

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, 'राका' के लिए अल्लू अर्जुन सबसे ज्यादा फीस ले रहे हैं। उसके बाद दीपिका का नंबर है और फिर रश्मिका का। फिल्म का कुल बजट 800 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। अल्लू अर्जुन ने 'राका' में तीन अलग-अलग भूमिकाओं के लिए 175 करोड़ रुपये लिए हैं। वह फिल्म में पुलिस अधिकारी, आधे इंसान-आधे राक्षस और इन दोनों के पिता के रोल में नजर आएंगे।

दीपिका और रश्मिका की फीस

एटली की फिल्म 'राका' के लिए दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना को मिलाकर लगभग 25 करोड़ रुपये मिलेंगे। यह अल्लू अर्जुन की फीस से सात गुना कम है। रश्मिका की फीस 5 से 7 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है।

'राका' का फर्स्ट लुक

'राका' के पहले लुक पोस्टर में अल्लू अर्जुन का हाथ नुकीले पंजों वाला और रोएंदार दिखाया गया है। दीपिका योद्धा राजकुमारी का किरदार निभा रही हैं। एक फोटो में उन्हें हथियार लेकर लड़ते हुए देखा जा सकता है। रश्मिका खलनायक की भूमिका में हो सकती हैं, हालांकि प्रोडक्शन हाउस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है।

'राका' की स्टार कास्ट

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म 'राका' का निर्देशन एटली कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें रश्मिका मंदाना, मृणाल ठाकुर, जान्हवी कपूर और राम्या कृष्णन नजर आ सकती हैं।

'मासिक धर्म बहाना नहीं..', अपने बयान के चलते निशाने पर आई श्रीलीला

कार्तिक आर्यन के साथ बॉलीवुड में अपने डेब्यू को तैयार अभिनेत्री श्रीलीला मासिक धर्म को लेकर दिए गए अपने बयान के चलते अब निशाने पर हैं। जानिए श्रीलीला ने ऐसा क्या कहा, जिस पर अब उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।

बीते महीने 'उस्ताद भगत सिंह' के एक इवेंट के दौरान अभिनेत्री श्रीलीला ने अपने माहवारी (पीरियड्स) को लेकर एक बयान दिया था। इसके बाद वो विवादों में घिर गई हैं और सोशल मीडिया पर लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्होंने पीरियड्स के दौरान भी काम करना जारी रखा, क्योंकि उनका मानना है कि शारीरिक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उनका यह बयान ही सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विवादों में घिर गया। हालांकि, बाद में इस बयान को सोशल मीडिया के उस पेज से हटा दिया गया, जिस पर अपलोड किया गया था।

श्रीलीला ने कही थी ये बात

उस इवेंट के दौरान श्रीलीला ने कहा था, 'मेरे सभी गाने, कम से कम उनमें से अधिकांश की सराहना हुई है। मैंने मासिक धर्म के दौरान भी शूटिंग की है, इसलिए यह किसी भी तरह का बहाना नहीं है। जब हम सत्ता में कुछ चाहते हैं, जब हम समानता चाहते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें शारीरिक बाधाओं को पार करना होगा। इसलिए मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, ये सब कोई बहाना नहीं है।'

निशाने पर आईं श्रीलीला

श्रीलीला की इसी टिप्पणी के बाद वो सोशल मीडिया पर नेटिजंस के निशाने पर आ गईं। कई यूजर्स ने कहा कि पीरियड्स के दौरान हर किसी का अनुभव अलग-अलग होता है। कुछ लोगों को हल्की परेशानी होती है, जबकि कुछ को असहनीय दर्द होता है, जो दैनिक गतिविधियों को बाधित कर सकता है। कई लोगों ने पीसीओएस जैसी स्थितियों का भी जिक्र किया, जो मासिक धर्म को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

श्रीलीला एक मेडिकल फील्ड से आती हैं और खुद भी डॉक्टरी पढ़ी हुई हैं, इसलिए उन्हें और भी लोगों ने निशाने पर लिया। कई लोगों ने चिंता व्यक्त की कि इस तरह के जनरलाइज बयान से महिलाओं के स्वास्थ्य की जटिलताओं को नजरअंदाज किया गया है।

कई यूजर्स ने असहनीय ऐंठन, थकान और हार्मोनल डिसबैलेंस से निपटने के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और अधिक संवेदनशीलता और जागरूकता की अपील की। कई लोगों का कहना है कि इस तरह से मासिक धर्म के दर्द को नजरअंदाज करने से गलत मानक स्थापित होंगे और महिलाओं को सपोर्ट नहीं मिलेगा।

इन फिल्मों में नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म है। इसके अलावा वह धनुष के साथ एक आगामी तमिल प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक D55 है। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ममूटी और साई पल्लवी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

झरिया ने बदली तस्वीरः रायपुर में एल्कलाइन वाटर प्लांट बना महिला सशक्तिकरण का नया मॉडल

एक साल में 35 लाख का टर्नओवर, 15 लोगों को रोजगार; बिहान समूह की पहल से ग्रामीण महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अभिनव पहल सामने आई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार जिला प्रशासन रायपुर और नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के सहयोग से ग्राम पचेड़ा में स्थापित 'झरिया एल्कलाइन वाटर प्लांट' ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला उद्यमिता का सफल मॉडल बनकर उभरा है।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित शारदा स्व सहायता समूह द्वारा संचालित इस प्लांट का का शुभारंभ मुख्यमंत्री साय द्वारा 11 अप्रैल 2025 को किया गया था। स्थापना के महज एक वर्ष के भीतर इस इकाई ने 35 लाख रुपये का टर्नओवर दर्ज किया है और 15 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया है, जिनमें अधिकांश महिलाएं शामिल हैं।

यह हाईटेक प्लांट प्रतिदिन लगभग 5 हजार कांच की बोतल, 10 हजार प्लास्टिक बोतल, 1 हजार जरीकेन और 500 ठंडे जरीकेन पानी उत्पादन की क्षमता रखता है। यहां दो अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित हैं, जहां पानी की शुद्धता और पीएच स्तर (8 से 8.5) की नियमित जांच की जाती है। उत्पादित जल को 200 एमएल से 1 लीटर तक की प्लास्टिक और कांच की बोतलों के साथ-साथ 20 लीटर जरीकेन में पैक किया जाता है। 'झरिया' ब्रांड का एल्कलाइन पानी अब मंत्रालय, जंगल सफारी, आईआईएम, नगर निगम रायपुर, जीएसटी कार्यालय, आईआईटी, एनआरडीए, पर्यावास भवन और कलेक्ट्रेट सहित कई प्रमुख संस्थानों में नियमित रूप से आपूर्ति किया जा रहा है। राज्योत्सव-2025, खेलो इंडिया और कुंवरगढ़ महोत्सव जैसे बड़े आयोजनों में भी इसकी सफल सप्लाई की गई है।

इस परियोजना से जुड़ी महिलाओं को उनके कार्य के आधार पर प्रति माह 15,000 रुपये तक का मानदेय मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। बड़े आयोजनों के दौरान आसपास की महिलाओं को भी अस्थायी रोजगार के अवसर मिलते हैं। जिला पंचायत परिसर स्थित बिहान संगवारी हाट, बी-1 कैफे और ग्राम पचेड़ा स्थित बॉटलिंग प्लांट में यह पानी उपलब्ध है। कलेक्टोरेट रायपुर की बैठकों में भी 'झरिया' पानी का उपयोग किया जा रहा है। ऑर्डर के लिए आप 9179113793 पर संपर्क कर सकते हैं

यह पहल राज्य की महत्वाकांक्षी 'लखपति दीदी' योजना को भी गति दे रही है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। 'झरिया' एल्कलाइन वाटर प्लांट आज स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और रोजगार सृजन का मॉडल बन चुका है।

खास खबर

कोरिया जिले में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, मंत्रालय महानदी रायपुर के निर्देशानुसार ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत कोरिया जिले में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्य के सफल संचालन हेतु कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में डॉ आशुतोष चतुर्वेदी (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत), संजय दुबे (मुख्य नगर पालिका अधिकारी), एम.सी. हिमधर (प्राचार्य, महाविद्यालय बैकुंठपुर), वी.के. राय (जिला शिक्षा अधिकारी), मारुति शर्मा एवं बाल्मिक प्रसाद दुबे को सदस्य बनाया गया है। वहीं सर्वेक्षण कार्य के लिए उमेश कुमार पटेल (डिप्टी कलेक्टर) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जिनके पास प्राचीन पांडुलिपियां उपलब्ध हैं, वे सर्वेक्षण दल अथवा नोडल अधिकारी को इसकी जानकारी दें। मूल दस्तावेज अपने पास रखते हुए फोटोकॉपी उपलब्ध कराकर भी पंजीयन कराया जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य जिले की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण करना है।

पॉलीटेक्निक कोरिया में 'उमंग 2026' का आयोजन

कोरिया। शासकीय पॉलीटेक्निक कोरिया में प्राचार्य गोनेश कुमार गजेन्द्र के निर्देशन में वार्षिकोत्सव श्उमंग 2026श् हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि आर0जे0 पाण्डेय सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, कॉमेडी और रैम्पवॉक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्अनेकता में एकताश् थीम पर आधारित रैम्पवॉक विशेष आकर्षण रहा।

धोवाताल की 60 महिलाओं ने रची आत्मनिर्भरता की मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बकरी और मुर्गीपालन ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का एक सशक्त और कम लागत वाला जरिया है। बिहान जैसी सरकारी योजनाओं से प्रशिक्षित होकर महिलाएं न केवल स्व-रोजगार कर रही हैं, बल्कि सालाना एक लाख से अधिक की कमाई कर परिवार की स्थिति सुदृढ़ बना रही हैं। यह व्यवसाय कम जगह में अधिक मुनाफा और पशु सखी के माध्यम से सही प्रबंधन प्रदान करती हैं। महिलाएं संगठित होकर बकरी पालन और पोल्ट्री; मुर्गीपालन के माध्यम से लखपति बन रही हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल रही है।

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के वनांचल क्षेत्र का छोटा सा गांव धोवाताल आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास की मिसाल बनकर उभर रहा है। जहां कई जगह गौठान योजनाएं निष्क्रिय पड़ी हैं, वहीं इस गांव की 60 महिलाओं ने गौठान को किराए

पर लेकर उसे आजीविका के मजबूत केंद्र में बदल दिया है। करीब 150 घरों और 510 की आबादी वाले इस गांव में महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत की है। इनकी मेहनत से न केवल परिवारों की आय बढ़ी है, बल्कि गांव में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं।

बजरंगबली समूह (बकरी पालन) - अध्यक्ष सूरजवती के नेतृत्व में फूलमती, मानमती, सोनमती, सुभद्रा, गुड़िया, कमलिया, पुष्पलता, सुमित्रा सहित सदस्य बकरी पालन कर रही हैं। सिद्धबाबा समूह (मुर्गी पालन) - अध्यक्ष कृष्णकुमारी के साथ आभा, उर्मिला, केवली, प्रेमिया, कुन बाई, गुलबिया एवं सोनकुवर मुर्गी पालन से जुड़ी हुई हैं। महिला सशक्तिकरण समूह (किराना दुकान) - अध्यक्ष इन्द्र कुंवर के नेतृत्व में फूलमतिया, संतोषी, धरम कुमारी, राजकुमारी, रूकमनी, मान कुंवर एवं सेती बाई किराना दुकान का संचालन कर रही हैं। सीता महिला समूह (बहुआयामी आजीविका) - अध्यक्ष दुरपतिया के साथ रूनिया, बसंती, लीलावती, कुशमिला, सूरजवती, चंदा एवं बिलासो बाई सुकर पालन के साथ बटेर और मछली पालन का कार्य कर रही हैं और दुर्गा महिला समूह (किराना व मनिहारी दुकान) - अध्यक्ष गीता के नेतृत्व में मानमती, कुसुम कली, रामकली, मंगलिया, सुमन, शांति, रूपा एवं चम्पाकली दुकान संचालन में जुटी हैं। महिलाओं को कलस्टर स्तर से मिली 60-60 हजार रुपये की सहायता को खर्च करने के बजाय उन्होंने इसे निवेश में बदल दिया।

आज उनके उत्पाद बहरासी और चुटकी जैसे हाट-बाजारों के साथ-साथ मध्यप्रदेश तक पहुंच रही हैं। बकरी पालन के लिए 50 प्रतिशत तक सरकारी सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे युवाओं को स्वरोजगार में मदद मिल रही है। इस पहल का सबसे बड़ा असर यह हुआ है कि लोगों को राजगार के लिए भटकना नहीं पडता। अब युवाओं को उनके ही गांव में राजगार मिल जा रहे हैं। गांव के युवा प्यारेलाल, उस्मान चेरवा और रामकुमार का कहना है कि अब उन्हें रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता।

केमिकल और औद्योगिक आपदा के लिए सचेत रहने की जरूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। औद्योगिक एवं केमिकल डिजास्टर के संबंध में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों के लिए राज्य स्तरीय औद्योगिक आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार गृह मंत्रालय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में औद्योगिक या केमिकल आपदा के अवसर की जाने वाली सावधानियां डिजास्टर के समय की व्यापक तैयारियां पहले से करने के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के अधिकारियों ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जानकारी दी गई कि आगामी दिनों में छत्तीसगढ़ में केमिकल एवं औद्योगिक आपदा के संबंध में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें औद्योगिक या केमिकल आपदा के समय कैसे व्यापक प्रबंधन एवं सुरक्षा किया जाये। आपातकालीन तैयारियां, अग्निशामक तैयारियां, आपदा के समय जन सामान्य में जागरूकता सहित विविध आपदा प्रबंधन के तौर-तरीकों और तैयारियां के संबध में व्यापक मार्गदर्शन दिया गया। गृह मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, सभी जिलों के जिला आपदा प्राधिकरण के अधिकारी शामिल हुये।

झलमला में चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। गिरते भू-जल स्तर एवं पानी की समस्या को देखते हुए जल संचय, जन भागीदारी 2.0 के अंतर्गत ग्राम झलमला में नीर चेतना अभियान चलाया गया। जिला प्रशासन ने जल सरक्षण और वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) का विशेष अभियान शुरू किया है। जनपद पंचायत बालोद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.एस. राजपुत के मार्गदर्शन में ग्रामवासीयों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। अभियान के तहत ग्राम पंचायत झलमला में एकता ठाकुर के घर श्रमदान के माध्यम से सोक पीट का निर्माण किया गया। ग्रामीणों से घर के छतों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने, पानी व्यर्थ न बहाने और पारम्परिक जल स्त्रोतो को पुर्नजीवित करने जन समुदाय एवं बिहान समूह के माध्यम से वृंदावन कलस्टर सिवनी द्वारा रंगोली, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली एवं सोखता गड्ढा का निर्माण कर जीवंत उदाहरण के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया गया। ग्रामवासीयों से पानी को अनमोल धरोहर मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करने की शपथ लेने का आग्रह किया गया साथ ही जन समुदाय एवं जनभागीदारी के द्वारा सोखता गढ़्ढ़ा बनाने गली भ्रमण कर एवं घर-घर जाकर प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सहायक परियोजना अधिकारी नितेश साहू ने बताया कि ऐसे अभियान ग्रामीणों की सहभागिता से ही सफल होते है। सभी नागरिको से जल संरक्षण के प्रति सजग रहने और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती टेमरिया, जनपद सदस्य दुष्यंत साहू, सरपंच श्रीमत्ति चुम्मन ठाकुर, विकास विस्तार अधिकारी अशोक कुमार ध्रुव, डीएमएम अजय सिंह एवं जनपद पंचायत बालोद के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

त्रुटिरहित एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें प्रेक्षक : आयुक्त अजय सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई जून-2026 की तैयारियों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में आज निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने की। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा सभी दावा-आपत्तियों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में उनका

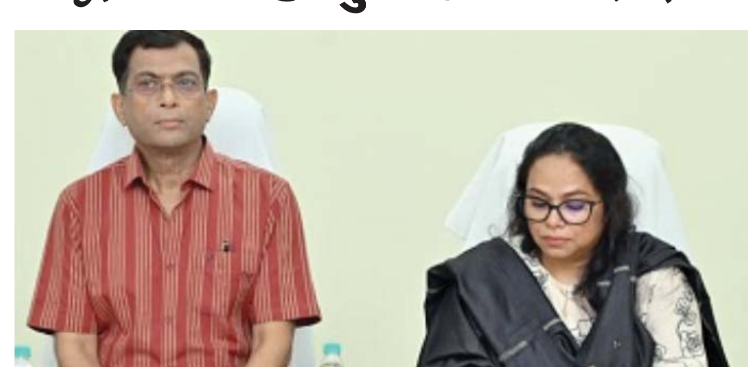

निराकरण किया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की सघन निगरानी और प्रभावी सुपरविजन पर विशेष बल दिया।

बैठक में आयोग ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए 01 अप्रैल 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले तथा भारत निर्वाचन आयोग की विधानसभा मतदाता सूची में शामिल नागरिक ही स्थानीय चुनाव में मतदाता बनने के पात्र होंगे।निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 20 अप्रैल 2026 तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 27 अप्रैल 2026 तक उनका निराकरण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 05 मई 2026 को किया जाएगा।

आयोग द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।बैठक में रिक्त पदों की जानकारी भी साझा की गई। नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 4पद एवं 60 पार्षद के पदों पर आम निर्वाचन तथा अध्यक्ष के 4 पद एवं 17 पार्षद पदों पर उप निर्वाचन प्रस्तावित है। वहीं, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 10 पद, सरपंच के 82 पद एवं पंचों के 1110 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास बना परिवार के लिए सुख की छांव

कच्चे मकान से पक्के घर तक का सफर, योजना बनी सम्मानजनक जीवन की नींव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत तरगंवा निवासी श्याम लाल साहू के जीवन में एक नया बदलाव ला दिया है। एक समय कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाला यह परिवार आज पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रहा है।

श्याम लाल साहू एक मेहनती किसान एवं मजदूर हैं, जो अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ साधारण जीवन व्यतीत कर रहे थे। उनकी आय का मुख्य स्रोत खेती और दिहाड़ी मजदूरी थी, जिससे परिवार का गुजारा तो हो जाता था, लेकिन पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था।

साहू परिवार का पुराना कच्चा मकान हर मौसम में मुश्किलें खड़ी करता था। बरसात में छत से पानी टपकता, गर्मियों में तेज धूप और सर्दियों में ठंड से बचाव करना बेहद कठिन हो जाता था। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा और परिवार के भविष्य को लेकर चिंता बनी रहती थी।

सीमित आय, अधूरा सपना

दिन-रात मेहनत करने के बावजूद सीमित आय के कारण श्याम लाल साहू अपने सपनों का घर नहीं बना पा रहे थे। पक्का आवास उनके लिए एक अधूरी इच्छा बनकर रह गया था।

'योजना से मिली नई उम्मीद'

गत वित्तीय वर्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत उनका आवास स्वीकृत हुआ। शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। पूरे परिवार के सहयोग से उन्होंने अपने पक्के घर का निर्माण शुरू किया और धीरे-धीरे उनका सपना साकार हो गया।

'अब सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन'

आज श्याम लाल साहू का परिवार अपने नए पक्के घर में खुशहाल जीवन जी रहा है। उन्होंने बताया यह आवास अब उनके लिए सुख की छांव बन चुका है। बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है और परिवार को हर मौसम में सुरक्षा का एहसास होता है।

माओवाद के साये से निकलकर कोलेंग वनांचल में बदली तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर का वह सुदूर वनांचल, जहाँ कभी सन्नाटा और दहशत का पहरा था, आज वहां खुशहाली की नई इबारत लिखी जा रही है। बस्तर जिले के दरभा विकासखंड का कोलेंग क्षेत्र, जो दशकों तक माओवादी गतिविधियों के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, अब अपनी एक नई पहचान गढ़ रहा है। मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता यह इलाका अब सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से लैस होकर विकास की मुख्यधारा में मजबूती से कदम रख चुका है। कभी जो गाँव के लोग बुनियादी सुविधाओं और शासकीय योजनाओं से महरूम थे, वे अब सीधे शासन-प्रशासन के संपर्क में हैं, साथ ही लाभान्वित होकर विकास में सहभागिता निभा रहे हैं।

एक समय था जब बारिश के दिनों में कोलेंग और उसके आसपास के गाँव टापू बन जाते थे और ग्रामीणों को आवागमन के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जगदलपुर से लेकर कोलेंग, चांदामेटा, छिंदगुर, काचीरास, सरगीपाल और कान्दानार जैसे दुर्गम गांवों तक बारहमासी पक्की सड़कों का जाल बिछ जाने से न केवल आवाजाही सुगम हुई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आपातकालीन सेवाएं भी अब ग्रामीणों की पहुंच में हैं। कोलेंग के सरपंच श्री लालूराम नाग इस बदलाव को ऐतिहासिक मानते हुए कहते हैं कि पहले यह क्षेत्र पूरी तरह कटा हुआ था, लेकिन माओवाद की समस्या कम होने और शासन की सक्रियता से ग्रामीणों के जीवन स्तर में क्रांतिकारी सुधार आया है। सड़क और संचार सुविधाओं के इस विस्तार ने छिंदगुर जैसे गांवों को सीधे जिला मुख्यालय से जोड़ दिया है, जिसे सरपंच श्री सुकमन नाग सरकार की अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने की प्रतिबद्धता का परिणाम बताते हैं। कनेक्टिविटी बेहतर होने का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति पर पड़ा है, क्योंकि अब वे अपनी वनोपज और कृषि उत्पादों को सीधे मंडियों तक ले जा पा रहे हैं। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। कभी उपेक्षा का शिकार रहा यह वनांचल क्षेत्र आज अपनी पुरानी पहचान को पीछे छोड़ते हुए विकास की रौशनी से जगमगा रहा है और खुशहाली की एक नई उम्मीद जगा रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में
कार्य करने हेतु
लड़को की
आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
कैन्टेवल एवं ग्राहलन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

रायपुर में 9 लाख कैश के साथ सट्टा गैंग पकड़ाया

हिस्ट्रीशीटर समेत 6 आरोपी गिरफ्तार, ऑनलाइन-ऑफलाइन लगा रहे थे दांव, खिलाड़ियों को बेचते थे आईडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टा चलाने वाले आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 9.05 लाख रुपए नकद और लगभग 13 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में गुढ़ियारी के राजा साहू और अभय साहू, खमतराई के मंजीत सिंह, आजाद चौक के रोहित मोटवानी और हरीश सकलेचा, और पुरानी बस्ती के आकाश सिन्हा शामिल हैं।

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजनाला ने बताया, कि पुलिस को 10 अप्रैल को सूचना मिली थी कि थाना गुढ़ियारी क्षेत्र के गोंदवारा ओवरब्रिज के नीचे कुछ लोग ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। सूचना पर रेड मारी गई।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से राजा साहू और अभय साहू को पकड़ लिया। उनके मोबाइल की जांच में पता चला कि वे ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट की मास्टर आईडी के जरिए सट्टा चला रहे थे। आरोपी खिलाड़ियों को आईडी देकर कमीशन लेते थे और फोन कॉल के जरिए क्रिकेट मैच पर दांव लगवाते थे।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे मंजीत सिंह और रोहित मोटवानी के लिए काम करते हैं। इसके बाद पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई कर हिस्ट्रीशीटर मंजीत सिंह, रोहित मोटवानी, हरीश सकलेचा और आकाश सिन्हा को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक मंजीत सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास और जुआ एक्ट समेत पहले से कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

ऑनलाइन साइट-पट्टी के माध्यम से चल रहा था सट्टा

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन सट्टा साइट्स के अलावा पट्टी के माध्यम से भी सट्टा चला रहे थे। आरोपी रोहित मोटवानी और हरीश सकलेचा ऑफलाइन सट्टा संचालन में भी सक्रिय थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9,05,238 रुपए नगद, 8 मोबाइल फोन, सट्टा पट्टी, कैलकुलेटर और पेन जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 13 लाख रुपए बताई जा रही है।

सभी आरोपियों के खिलाफ थाना गुढ़ियारी में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6 और 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है और जांच जारी है।

खास खबर

जुआरियों को पकड़ने ट्रैक्टर में बाराती बनकर पहुंची पुलिस, आठ गिरफ्तार

जांजगीर। पुलिस को 9 अप्रैल को सक्ती जिले के फगुरम चौकी क्षेत्र के ग्राम कानाकोट में खार नहर किनारे जुआ खेलने की सूचना मिली। इस पर पुलिस की टीम ट्रैक्टर पर बाराती बनकर मौके पर पहुंची 8 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया है। फगुरम क्षेत्र में पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं, लेकिन टीम के पहुंचते ही वे भाग जाते थे या अपनी लोकेशन बदल लेते थे। इस बार पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए अलग रणनीति अपनाई। पुलिसकर्मी आम ग्रामीणों की तरह ट्रैक्टर-ट्रॉली में बाराती बनकर मौके पर पहुंचे और जुआ खेल रहे लोगों को घेर लिया। अचानक पुलिस को सामने देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन टीम ने आठ लोगों को पकड़ लिया, जबकि तीन आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से 26 हजार रुपए नकद, 7 मोबाइल फोन और दो कार जब्त की हैं। पकड़े गए आरोपियों में दीपक कुमार साहू (मिरचीद), शिवम साहू (नगरदा), संजय साहू (देवरहा), भेषज किशोर साहू (पोरथा), देवेंद्र साहू (चांटीपाली), वीरेंद्र कुर्रे (लवसरा), राकेश कुमार सांडें (झालरौंदा) और दीपक कुमार चंद्रा (झालरौंदा) शामिल हैं।

सरगुजा में बेटे ने की पिता की हत्या, फसल विवाद बना वजह

सरगुजा। सरगुजा संभाग के कुसमी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक बेटे ने ही अपने पिता की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम रतासिल्ली निवासी लल्लू खलखो की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शुरुआत में मामला सामान्य लग रहा था, लेकिन पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि मृतक के पुत्र प्रदीप खलखो ने ही आपसी विवाद के चलते इस घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि फसल खराब होने को लेकर पिता और पुत्र के बीच विवाद हुआ था, जो बढ़ते-बढ़ते हिंसक रूप ले गया। गुस्से में आकर आरोपी बेटे ने अपने पिता के साथ मारपीट की। गंभीर रूप से घायल होने के बाद पिता को घर में ही छोड़ दिया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। फिलहाल कुसमी थाना में मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

परिवहन विभाग द्वारा स्कूल वाहनों की विशेष जांच कर की गई कार्रवाई

राजनांदगांव। परिवहन विभाग द्वारा बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल वाहनों की विशेष जांच एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजनांदगांव आनंद शर्मा के बताया कि जांच एवं प्रवर्तन के दौरान स्कूल बसों एवं अन्य वाहनों में फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, फायर सेफ्टी उपकरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं एवं दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच के दौरान वाहनों में खामियां पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। जांच के दौरान श्रीवेद पब्लिक स्कूल मोहारा की स्कूल बस सीजी 08 एजी 1365 एवं सीजी 08 एजी 1366 में वैध फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं कर (टैक्स) के दस्तावेज लंबित थे।

मंदिर हसौद में 2 चूना पत्थर खदानें सील

रायपुर। आरंग विधानसभा क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन रोकने के लिए खनिज विभाग ने मंदिरहसौद में कार्रवाई की। इस दौरान दो चूना पत्थर (क्रेशर) खदानों को सील कर दिया गया। जांच में खदान संचालकों के कागजात पूरे नहीं मिले, जिसके बाद विभाग ने नियम के अनुसार यह कार्रवाई की। जिन खदानों पर कार्रवाई की गई, उनमें सीजी एग्रो फार्म विपिन अग्रवाल और के.सी. अग्रवाल, जय कुमार बजाज की खदान शामिल हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच में आवश्यक अनुमति और दस्तावेजों में कमी पाई गई।

हालांकि खदान संचालकों को आगे की प्रक्रिया के तहत दस्तावेज पेश करने का अवसर भी दिया जाएगा। कार्रवाई के दौरान खनिज विभाग ने अवैध परिवहन की जांच करते हुए 7 हाइवा जब्त किया है। इनमें एक वाहन रेत से भरा था, जबकि छह वाहन गिट्टी (स्टोन) से लदे पाए गए। प्राथमिक जांच में इन वाहनों के पास वैध परिवहन दस्तावेज नहीं मिले।

विभाग ने सभी वाहनों को जब्त कर वैधानिक प्रक्रिया शुरू कर दी है, साथ ही संबंधित पक्षों को अपनी स्थिति स्पष्ट करने का मौका भी दिया जाएगा। सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव ने बताया कि विभाग का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना और खनन कार्य को नियमों के तहत संचालित कराना है।

उन्होंने कहा कि खनिज विभाग के संचालक रजत बंसल के निर्देशानुसार खदान संचालन को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचा जा सके और सभी पक्षों के लिए स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित हो।

साइबर ठगों-सटोरियों को सिम बेचने वाले गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की रायपुर पुलिस ने साइबर ठगी और सट्टा गिरोह को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में 300 से ज्यादा एक्टिव सिम कार्ड की जानकारी सामने आई है, जिनका इस्तेमाल देशभर में साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था।

गिरफ्तार आरोपियों में रायपुर के विनोद वर्मा और सुदीप्त सासमल, बलौदाबाजार के शिवनारायण साहू, दुर्ग के जयंत लहरी, महावीर नगर के मनीष आहूजा और जामुल के कैलाश प्रताप सिंह शामिल हैं। साइबर अपराध रोकने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत रायपुर रेंज पुलिस ने ये कार्रवाई की है।

विदेशों से सिम एक्टिवेट होने के मिले डिजिटल सबूत

आरोपियों को गिरफ्तार करने वाले जांच अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशन में की गई। गिरफ्तार आरोपी रायपुर, दुर्ग, बलौदा बाजार,

पश्चिम बंगाल के साथ-साथ विदेशों से भी जुड़े हुए हैं। ये आरोपी मोबाइल दुकानों के जरिए फर्जी तरीके से सिम एक्टिवेट करते थे और फिर उन सिम कार्डों को साइबर अपराधियों को बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक, थाना माना (रायपुर ग्रामीण) और आजाद चौक में दर्ज दो अलग-अलग मामलों की जांच के दौरान इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। पहले मामले में 20.28 लाख रुपए और दूसरे मामले में 6.42 लाख रुपए की साइबर ठगी सामने आई थी। इन दोनों मामलों में ठगों ने म्यूल बैंक अकाउंट और मोबाइल सिम का इस्तेमाल किया था।

जांच के दौरान पुलिस ने सिम कंपनियों से डेटा लेकर तकनीकी जांच की। इस आधार पर सिम बेचने वाले और इस नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सुदीप्त सासमल, शिवनारायण साहू, जयंत लहरी, मनीष आहूजा, सुधीर जैन, कौशल प्रताप सिंह और विनोद वर्मा शामिल हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नए सिम लेने या नंबर पोर्ट कराने वाले ग्राहकों के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल करते थे। ई-केवाईसी के दौरान डबल थंब स्कैन और आई ब्लिंक का इस्तेमाल करके अतिरिक्त सिम एक्टिवेट किए जाते थे। इसके अलावा जिन लोगों के आधार कार्ड की कॉपी उनके पास होती थी, उनके नाम पर डी-केवाईसी के जरिए भी सिम जारी कर दिए जाते थे।

इन कामों में होता है फर्जी सिमों का इस्तेमाल

इन फर्जी सिम कार्ड को अधिक कीमत पर साइबर ठगों को बेचा जाता था। इनका उपयोग टेलीग्राम रिव्यू टास्क, ऑनलाइन जॉब फ्रॉड, फेक सोशल मीडिया अकाउंट, शेयर ट्रेडिंग स्कैम और सस्ते सामान बेचने के नाम पर ठगी जैसे मामलों में किया जा रहा था। जांच अधिकारियों के अनुसार फिलहाल पुलिस सभी सिम कार्ड और नेटवर्क का विस्तृत विश्लेषण कर रही है। आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

दुर्ग में करोड़ों के लेन-देन का खुलासा ऑनलाइन बैटिंग गिरोह का भंडाफोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। फर्जी बैंक खातों के माध्यम से ऑनलाइन बैटिंग में संलिप्त गिरोह पर दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शुक्रवार को 3 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं करोड़ों रुपए के लेन-देन का खुलासा हुआ है। आरोपियों के कब्जे से 22 एटीएम, 10 चेक बुक, 8 पासबुक, 4 सिम कार्ड सहित अन्य सामान जब्त किया गया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी अविनाश दुबे ने थाना पद्मनाभपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपीगण द्वारा अवैध रूप से लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम, सिम, पासबुक

और चेकबुक प्राप्त किए गए हैं। उन्हें विभिन्न ऑनलाइन बैटिंग एप्प में धनराशि के लेनदेन के लिए उपयोग किया जा रहा था। प्राप्त सामाग्री को मुंबई भेजकर अवैध आर्थिक गतिविधियों में उपयोग किया जाता था।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में 16 आरोपियों की गिरफ्तार कर चुकी है । विवेचना के दौरान सह मुख्य आरोपी कुश और उसके साथी रितेश राय और महेंद्र सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 22 एटीएम कार्ड, 10 चेक बुक, 8 नग बैंक पासबुक, 4 सिम कार्ड, 5 मोबाइल फोन, एक नकली पिस्टल और एक रजिस्टर बरामद किया है। आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपए के लेन-देन की जानकारी प्राप्त हुई है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।

रायपुर में महिला चेन स्नैचिंग गैंग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाली अंतरराज्यीय महिला गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह महिला गैंग मध्य प्रदेश के इंदौर जिले से लग्जरी वाहन में सवार होकर देशभर के अलग-अलग शहरों में घूम-घूमकर भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिलाओं को निशाना बनाती थी।

पुलिस ने गिरोह के 8 सदस्यों को पकड़ा है, जिनमें 7 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में इंदौर की संध्या सकटे, सोनिया हातागले, उज्वाला हातागले, साखरा बाई, ज्योति सकटे, सरिता ज्वरे और अभय हतागले शामिल हैं। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब डी.डी. नगर थाना क्षेत्र में चंगोराभाठा बाजार से 66 वर्षीय महिला की सोने की चेन झपट ली

गई। पीड़िता निर्मला वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज में कुछ संदिग्ध महिलाएं पीड़िता के आसपास मंडराती दिखीं और मौका पाकर चेन चोरी करती नजर आईं। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।

पुलिस को सूचना मिली कि संदिग्ध इनोवा वाहन भाठागांव बस स्टैंड के पास देखा गया है। टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोका, जिसमें 7 महिलाएं और 1 पुरुष सवार थे। पूछताछ में वे गुमराह करने की कोशिश करते रहे, लेकिन सबूतों के आधार पर उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों सरस्वती नगर, खमतराई, कोतवाली, गोलबाजार और डी.डी. नगर में एक दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। इसके अलावा गिरोह ने गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में भी चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया है।

चेन सहित गाड़ी और कटर जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10,500 रुपए नकद, 1 सोने की चेन, 1 कटर, 4 मोबाइल फोन और एक इनोवा कार (एनपी-09-बीपी-1064) जब्त की है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 11.30 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने चोरी की चेन बेचकर ही यह लग्जरी वाहन खरीदा था। सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस गिरोह से जुड़े अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है।

जीजा ने गमछा से गला घोंटकर साले को मार-डाला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में शराब पीने को लेकर जीजा ने अपने साले की हत्या कर दी। आरोपी ने गमछे से गला घोंटकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला उरला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, घनश्याम यादव (30) निवासी ग्राम पल्सीपानी थाना कोमाखान अपने जीजा गोपी उर्फ गोप सिंह बरिहा

(45) के साथ कुम्हारी स्थित ईंट भट्टे में काम करता था। 8 अप्रैल को दोनों सिल्तरा स्थित शराब भट्टी पहुंचे।

अकेले शराब पीने से गुस्साया

यहां शराब पीने के दौरान आरोपी ने 150 रुपए देकर घनश्याम को शराब लाने भेजा। घनश्याम शराब लेकर आया, लेकिन उसे अकेले ही पी गया। इसी बात को लेकर आरोपी के मन में गुस्सा था। 9 अप्रैल को दोनों नहाने के लिए खारुन नदी गए।

इस दौरान घनश्याम शौच के लिए नदी किनारे चला गया। आरोपी उसके पीछे पहुंचा। मौके पर आरोपी ने नदी के मेढ़ से धक्का दे दिया, जिससे घनश्याम नीचे गिरकर बेहोश हो गया। आरोपी को लगा कि वह जिंदा हो सकता है।

पकड़े जाने के डर से घोंटा गला

पकड़े जाने के डर से उसने अपने गमछे से गला कस दिया। इससे घनश्याम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। फिलहाल पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

फरसवानी और बीरतराई में जांच, 20 गैस सिलेंडर जब्त

कोरबा। खाद्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को करतला ब्लॉक के दो अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की। ग्राम पंचायत फरसवानी में सोनी टेंट हाउस की जांच में 8 घरेलू एलपीजी सिलेंडर व एक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर जब्त किया।

सिलेंडर को उमरेली इंडेन गैस वितरक की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। इसी तरह ग्राम पंचायत बीरतराई में संजय कुमार साहू के घर की जांच में में 11 घरेलू गैस सिलेंडर मिले।

सिलेंडर को लेकर कोई संतोषजनक दस्तावेज नहीं मिलने पर खाद्य विभाग ने सभी 11 सिलेंडर जब्त कर गैस वितरक एचपी उरगा की अभिरक्षा में सुपुर्द किए।

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-दुर्ग

प्रथम निविदा आमंत्रण विज्ञापन क्र. 12

अटल विहार योजनांतर्गत ग्राम-सिवनी, जिला-बालोद में (फेस - II) अंतर्गत 20.22 एकड़ भूमि के शेष आंशिक भाग में बाह्य विकास कार्य (7.50 मीटर आर.सी.सी. रोड, 9.00 मीटर आर.सी.सी. रोड, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, कम्पाऊण्डवॉल, पम्प रूम, गार्डन विकास कार्य, ट्यूबवेल एवं पम्प फिटिंग कंट्रोल पैनल सहित) हेतु प्रपत्र- 'अ' में राशि रू. 62.39 लाख की ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत 'द' वर्ग एवं ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी कार्यपालन अभियंता संभाग- धमतरी के मो.नं. 94064-40772 पर सम्पर्क करें।

सं.- 47468/2 उपायुक्त

रिकार्ड में शून्य पर दुकान में थी 140 टन खाद, जब्त

रायगढ़। जिले में जहां एक ओर किसान खाद के लिए भटक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दुकानों में बिना रिकॉर्ड का स्टॉक मिलने से पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्रवाई में पुसौर क्षेत्र से 14.225 टन उर्वरक जब्त किया गया है। जांच के दौरान प्रधान ट्रेडर्स और अग्रवाल खाद भंडार में बड़ी मात्रा में खाद बिना पीओएस स्टॉक के मिली।

यानी सिस्टम में उपलब्ध नहीं दिख रही खाद दुकानों में मौजूद थी। इससे यह आशंका गहराई है कि बाजार में कृत्रिम कमी बनाकर किसानों को परेशान किया जा रहा था। इधर किसान समय पर खाद नहीं मिलने से परेशान रहे।

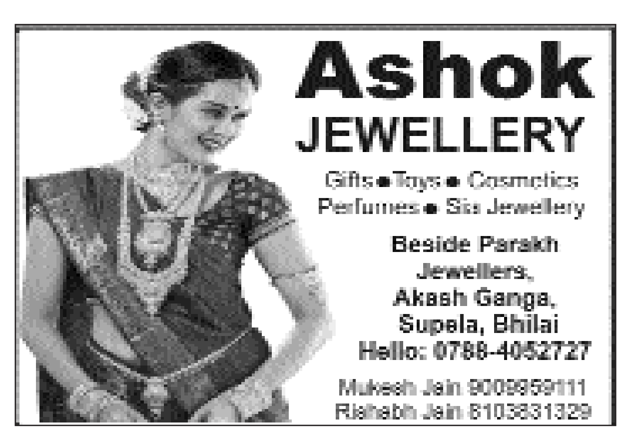

वाइस चांसलर मीट-2026 : आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक औषधीय ज्ञान से सशक्त होगा छत्तीसगढ़ का हेल्थ मॉडल : साय

■ सुकमा में मुख्यमंत्री बस्तर स्वास्थ्य योजना का होगा शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया हेल्थ साइंसेज वाइस चांसलर मीट-2026 को संबोधित करते हुए इसे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर देशभर से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस सम्मेलन से स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों का व्यापक आदान-प्रदान होगा, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से निकले विचार न केवल नीति निर्माण को दिशा देंगे, बल्कि आमजन तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में भी सहायक होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेज, 14 नर्सिंग कॉलेज तथा एक होम्योपैथी कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला हैं और इसी दृष्टिकोण के साथ निरंतर कार्य किया जा रहा है।

श्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक की सहायता मिलना उनके लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियां अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आरोग्य मंदिर जैसी पहल की जा रही है। केंद्र सरकार देश में तीन आयुर्वेदिक एम्स स्थापित करने जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जो औषधीय पौधों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने हेमचंद मांझी को आयुर्वेद के क्षेत्र में पद्मश्री मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विदेशों से भी लोग आते हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के तेजी से विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी क्षेत्र में मेडिसिटी हब विकसित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5000 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके कार्यकाल में रायपुर में एक दर्जन से अधिक निजी अस्पतालों का शुभारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश चिकित्सा व अध्यात्म दोनों क्षेत्रों में विश्व गुरु के रूप में स्थापित रहा है। भारतीय संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का भाव सदैव विद्यमान रहा है। कोविड-19 का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने तीन प्रकार के टीकों का विकास कर न केवल अपने 140 करोड़ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अन्य देशों की भी सहायता कर मानवता का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने चिकित्सकों का समाज में भगवान के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्थान बताते हुए उनसे सेवा भाव के साथ संवेदनशीलता बनाए रखने का आह्वान किया।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मार्ग प्रशस्त करेगा और इसके सकारात्मक परिणाम आम जनता तक पहुंचेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र की अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया है। चिकित्सा शिक्षा में हिंदी माध्यम की सुविधा दी गई है तथा तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से भविष्य में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक प्रभावी होंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 5 नए मेडिकल कॉलेज, 14 नर्सिंग कॉलेज और 2 मानसिक अस्पताल सहित स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है तथा 275 अत्याधुनिक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। 13 अप्रैल से सुकमा में मुख्यमंत्री बस्तर स्वास्थ्य योजना के तहत 36 लाख लोगों की हेल्थ स्क्रीनिंग और आयुष्मान कार्ड निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से प्राप्त सुझाव आयुष मंत्रालय को भेजे जाएंगे और यह आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में प्रेरक भूमिका निभाएगा। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर विधायक इंद्र कुमार साहू, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विशेष आमंत्रित अतिथि डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा, भारतीय स्वास्थ्य विद्यापीठ के अध्यक्ष डॉ. राजीव सूद तथा आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार पात्रा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता सुधार पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, गुणवत्ता और प्रभावशीलता का समग्र आकलन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य भवन में शुक्रवार को सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें योजनाओं के क्रियान्वयन एवं सेवा प्रदायगी की स्थिति की समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए जोखिम की समय पर पहचान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि चिन्हित मामलों को आवश्यकता अनुसार उच्च स्तरीय शासकीय अथवा निजी स्वास्थ्य संस्थानों में समय रहते रेफर किया जाए। रेफरल प्रक्रिया के दौरान संबंधित चिकित्सक एवं अस्पताल प्रबंधन प्रसूता एवं शिशु के डिस्चार्ज तक सतत संपर्क में रहें तथा सभी आवश्यक उपचार एवं सुविधाएं सुनिश्चित करें। मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए अग्रिम तैयारियों को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए।

चिकित्सकों को प्रभावी औषधियां लिखने तथा आवश्यक जांच सुविधाएं संस्थागत स्तर पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक का संचालन करते हुए सचिव अमित कटारिया ने मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रत्येक प्रकरण की अनिवार्य रिपोर्टिंग एवं पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डेटा विश्लेषण के माध्यम से मृत्यु के कारणों की पहचान कर भविष्य में प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाए जा सकते हैं।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के संचालक संजीव कुमार झा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक रणबीर शर्मा, महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. एस.के. पामभोई सहित सभी संभागों के संयुक्त संचालक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिव श्री कटारिया ने कहा कि प्रदेश को टीबी एवं मलेरिया मुक्त बनाना, मातृ-शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर सुधार लाना तथा प्रत्येक नागरिक को सुलभ, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से सेवा भावना एवं प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

प्रमुख खबरें

श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान हिमांशु कृष्ण भारद्वाज द्वारा कही जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर श्री साय ने कहा कि श्रीमद्भागवत का मूल संदेश यही है कि कर्म ही सच्ची पूजा है। उन्होंने कहा कि हमें सच्चाई और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर मानव जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में भगवान के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की बाललीला के अंतर्गत माखनचोरी के प्रसंग का भक्तिभाव के साथ श्रवण किया। कथा के समापन अवसर पर श्री साय भगवान बांके बिहारीलाल की आरती-पूजन में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है। हमें दूसरों के लिए जीते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्री राम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया। उन्होंने कहा कि लगभग पांच हजार वर्ग किलोमीटर में फैला अबूझमाड़ का जंगल ही दंडकारण्य क्षेत्र है और शिवरीनारायण माता शबरी की पावन भूमि है। गुरु घासीदास जैसे महान संतों की जन्मभूमि होने के कारण छत्तीसगढ़ एक धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध प्रदेश है। ईश्वर के आशीर्वाद से आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हो रहा है और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 42 हजार भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं तथा 5 हजार से अधिक बुजुर्गजन देश के विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर चुके हैं। धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया गया है। इस कानून के अंतर्गत देश के अन्य राज्यों की तुलना में कठोर प्रावधान किए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से अवैध धर्मांतरण पर रोक लगेगी।

जल जीवन मिशन ने बदली नक्सल प्रभावित हेटारगढ़ की तस्वीर, हर घर नल से पहुंचा पानी

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड का ग्राम हेटारकसा आज बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। जहां पहले सड़क, संचार और मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच मुश्किल थी, वहीं अब नक्सल उन्मूलन तथा राज्य शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से गांव में विकास दिखने लगा है।

नक्सल प्रभाव के कारण वर्षों तक इस क्षेत्र में योजनाओं का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण रहा। दुर्गम भौगोलिक स्थिति और सुरक्षा कारणों से पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा भी गांव तक नहीं पहुंच पा रही थी। ग्रामीण कुएं और नालों पर निर्भर थे। गर्मी के दिनों में काठी संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन से हेटारकसा के सभी 63 घरों में नल से जल की आपूर्ति हो रही है। दो सोलर पंप आधारित जल टंकियों के माध्यम से अब गांव के हर घर में रोज स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है।

हेटारकसा के राजनाथ पोटाई बताते हैं कि पहले पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। अब घर में ही पानी मिलने से दैनिक जीवन काफी आसान हो गया है। गांव की सविता बेन कहती हैं कि पहले पानी की समस्या के कारण दिन का बड़ा हिस्सा इसी कार्य में चला जाता था, लेकिन अब वे अन्य कामों में समय दे पा रही हैं।

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से जलजनित बीमारियों में कमी आई है। साथ ही ग्रामीण अब घरों के आसपास टमाटर, मिर्ची, बरबट्टी जैसी फसलें उगाकर पोषण के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। दूरस्थ क्षेत्र में पहुंच रही सुविधाएं यह साबित कर रहा है कि सुरक्षा, विश्वास और विकास एक साथ आगे बढ़ते हैं।

धमतरी में आम फलबहार की नीलामी 15 से 17 तक

धमतरी। जिला धमतरी में उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत स्थापित शासकीय रोपणियों में आम फलबहार की नीलामी 15 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी। इच्छुक बोलीकर्ताओं को निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित रोपणियों में पहुंचकर नीलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय उद्यान रोपणी बिन्द्रानवागांव (धमतरी) में 15 अप्रैल को 4,00,000 की शासकीय बोली से नीलामी प्रारंभ होगी, जहां 211 आम मातृवृक्ष हैं। इसी प्रकार शासकीय उद्यान रोपणी भाठागांव में 16 अप्रैल को 1,30,000 की शासकीय बोली से नीलामी होगी, जहां 221 आम मातृवृक्ष हैं। शासकीय उद्यान रोपणी सेमरा (नगरी) में 17 अप्रैल को 1,00,000 की शासकीय बोली से नीलामी आयोजित होगी, जहां 104 आम मातृवृक्ष हैं और यह 60 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

गोंडवाना कप टेनिस : खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए टूर्नामेन्ट आवश्यक - साव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज रायपुर के जोरा स्थित इंटरनेशनल टेनिस स्टेडियम में आयोजित गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मिश्रित और एकल के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गोंडवाना कप का आयोजन अनेक वर्षों से हो रहा है। प्रदेश में लगातार खेल प्रतियोगिताएं होने से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलता है और अच्छे खिलाड़ी निकल कर आते हैं। टूर्नामेंट में 20 राज्यों के 120 खिलाड़ियों का भाग लेना इसकी सफलता को बताता है।

श्री साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए खिलाड़ी टूर्नामेंट आवश्यक हैं। इसके बिना खेल और खिलाड़ी दोनों आगे नहीं बढ़ सकते। गोंडवाना कप जैसी प्रतियोगिताएं लगातार होने चाहिए।

महिला डबल्स के फाइनल मुकाबले में शताक्षी चौधरी और अनन्या जैन (उत्तर प्रदेश) की जोड़ी ने स्निग्धा पाटिबंडला और इरम जैदी को 3-6, 6-3, 10-7 से हराकर खिताब जीता। वहीं पुरुष डबल्स में निरव शेट्टी और अनुप बंगार्गी (महाराष्ट्र) की जोड़ी ने प्रसाद इंगाले और परितोष पवार को 6-2, 6-4 से हराया।

वहीं महिला एकल में राजस्थान की आयुषी तनवार ने उत्तरप्रदेश की शताक्षी चौधरी को 2-6, 6-2, 6-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष एकल में तेलंगाना के नैशिक रेड्डी गनागामा ने महाराष्ट्र के प्रसाद इंगाले को 7-6 (7-4), 6-3 से हराकर विजेता बने।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की। समापन समारोह में एआईटीए के महासचिव अनिल धुपर, स्टेट टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. हिमांशु द्विवेदी, गुरुचरण सिंह होरा, उपाध्यक्ष नरेश गुप्ता और आशीष सराफ सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद थे।

श्री साव ने बताया कि 24 अप्रैल से 26 अप्रैल तक श्रीनगर में चिंतन शिविर का आयोजन हो रहा है। इसमें सभी राज्यों के खेल मंत्री और भारत सरकार के मंत्री व अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 2047 में जब देश आजादी के 100 वर्ष पूरा करे तो देश विकसित बने, इसके साथ ही खेल के क्षेत्र में भी भारत दुनिया में अग्रणी देश बने, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए योजना बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काम हो रहा है। निश्चित रूप से इस चिंतन शिविर से बड़ा लाभ होगा।

जल जंगल में जनजातीय समाज की अटूट आस्था, इसीसे सुरक्षित हैं जंगल : नेताम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि देश के लगभग सभी राज्यों में जनजातीय समुदाय के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक जनजातीय समुदाय हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीयों का जल, जंगल, जमीन, नदी-नालों और पहाड़ों में अटूट आस्था है। जनजातीय समुदाय पेड़ पौधों, नदी-नालों में देवी-देवताओं का वास मानते हैं और इन्ही संस्कृति और परंपराओं के कारण वनवासी समुदाय प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन में पहले पायदान पर है।

मंत्री श्री नेताम ने जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर में आयोजित दो दिवसीय राज्य-स्तरीय संवाद सम्मेलन 'छत्तीसगढ़ कॉमन्स क्निनिंग' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गहन मंथन हुआ है। मंथन में जो भी तथ्य निकलकर आएंगे उसका उपयोग नीति निर्माण और जनहित में किया जाएगा।

श्री नेताम कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समुदायों के विभिन्न समस्याओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन करने जा रही है। इस टास्क फोर्स की कमान स्वयं मुख्यमंत्री संभालेंगे, जो इसके अध्यक्ष होंगे। नीतिगत निर्णयों के धरातल पर प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को मिलाकर एक विशेष कार्यान्वयन समिति भी बनाई जाएगी, जो बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगी।

श्री नेताम ने कहा कि पेसा (पंचायत उपबंध अधिनियम) और एफआरए (वनाधिकार अधिनियम) के क्रियान्वयन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों, विशेष रूप से सीमाओं के निर्धारण जैसी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की बात कही। उन्होंने कहा, हम केवल इन साझा संसाधनों के उपयोगकर्ता ही नहीं, बल्कि इनके संरक्षक भी हैं। उपभोग केवल वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित होना चाहिए। टास्क फोर्स का उद्देश्य जनजातीय कल्याण की नीतियों के क्रियान्वयन की बाधाओं को दूर करना और समुदायों को उनके अधिकार दिलाना है।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह टास्क फोर्स विशेष रूप से पेसा और वनाधिकार अधिनियम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगी। हमारी विरासत में जनजातीय बोली, भाषा, समुदायिक नेतृत्व समृद्ध है। जल, जंगल, जमीन के संरक्षण व संवर्धन में इन जनजातीयों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति उनके ज्ञान, उनका उद्देश्य, जल जंगल से जुड़े हुए हैं। उनका रिश्ता प्रकृति से है। वे प्रकृति को मां के रूप में, देवता के रूप में पूजते हैं। उनके दैनिक क्रियाकलापों से लेकर मृत्यु तक के उत्सव प्रकृति के संरक्षण में सहायक सिद्ध होती है।

श्री बोरा ने कहा कि दो दिनों तक चले अधिवेशन में छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के 300 से अधिक प्रतिभागियों, नीति विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और ग्राम प्रमुखों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य केंद्र राज्य की 70 लाख एकड़ 'कॉमन्स' भूमि (जंगल, चारागाह और जल निकाय) रही, जो ग्रामीण और जनजातीय आबादी की जीवन रेखा है। पीएम जनमन योजना, धरतीआबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं से जनजातीय क्षेत्रों एवं जनजातीय समुदाय के सम्पूर्ण विकास के साथ ही प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में काम कर रहे हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी. श्रीनिवास राव ने जोर दिया कि सामुदायिक सहयोग के बिना विशाल वनों और जैव विविधता की रक्षा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की वन नीतियां प्रतिबंधात्मक नहीं, बल्कि विनियामक हैं।

मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा ने कहा कि जल संरक्षण जनजातीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने मनरेगा के माध्यम से वंचित समुदायों को जल प्रबंधन में जोड़ने पर बल दिया। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने कहा कि जल संरक्षण कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं है, बल्कि यह सदियों के अनुभव से उपजा सामुदायिक ज्ञान है।

सोनमणि बोरा ने जनजातीय लोक गीतों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के दस्तावेजीकरण और कॉपीराइट संरक्षण के लिए एक विशेष स्टूडियो स्थापित करने की योजना साझा की। सम्मेलन में नेल्सन मंडेला पुरस्कार विजेता शेर सिंह आंचला, पद्मश्री पांडी राम मंडावी, पद्मश्री जगेश्वर यादव और गौर मारिया कलाकार सुश्री लक्ष्मी सोरी, इंदु नेताम ने भी अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अपर संचालक संजय गौड़, टीआरटीआई की संयुक्त संचालक गायत्री नेताम की विशेष योगदान रही।

कार्यक्रम आदिम जाति विकास विभाग, टीआरटीआई और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी द्वारा प्रॉमिस ऑफ कॉमन्स पहल के तहत संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इसमें यूएनडीपीए आईआईटी-भिलाई, बीआरएलएफ, एक्सिस बैंक फाउंडेशन और अन्य प्रमुख संस्थान सहयोगी रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950